Website : talmelexpress.com

तालमेल एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

RNI No.-UPHIN/2017/74507

दमदारी के साथ... आप की बात

महिमा मकवाना ने बताया...

वर्ष : 10, अंक : 35 प्रयागराज, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 पृष्ठ : 08, मूल्य : 1.00

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या वाले बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2026श को मंजूरी दे दी है, जिससे सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। इसके साथ ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई है। इस संशोधन से मुख्य न्यायाधीश के अलावा सुप्रीम कोर्ट में 37 और न्यायाधीशों की नियुक्ति हो सकेगी। उम्मीद है कि इससे मामलों के बढ़ते बैकलॉग और संवैधानिक पीठों के गठन के कारण नियमित सुनवाई पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिलेगी। लोकसभा ने 3 अगस्त को इस बिल को मंजूरी दी। इसके बाद, राज्यसभा ने भी इसे पास कर दिया। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के दौरान, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की पहल पर आगे बढ़ा। कानून मंत्री के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 11 मई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट में जजों की मंजूर संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया था।

देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं युवा

पीएम मोदी का देश के जेनजी को नया संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारतीय के युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति भी बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए श्एक्सश पोस्ट पर लिखा, श्हमारे युवा साथी देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है।श

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक भी एक्स पर पोस्ट किया, श्चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्। प्रसादयति यो लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति।।श इस श्लोक का हिंदी अर्थ है– श्जो व्यक्ति अपनी दृष्टि, विचारों, वाणी और कर्मों के माध्यम से लोगों का हृदय जीत लेता है, वह ही उनके विश्वास, सम्मान और सद्भाव का पात्र बनता है।श

इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर लिखा गया था, श्अष्टौ गुणाः पुरुषं दीपयन्ति प्रज्ञा सुशीलत्वदमौ श्रुतं च। पराक्रमश्च बहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च।। इस श्लोक का अर्थ है, श्ये आठ गुण मनुष्य के जीवन को प्रकाशमान करते हैं। बुद्धि उसके मार्ग को स्पष्ट करती है, सदाचार उसके आचरण को पवित्र बनाता है और संयम उसे अनुशासित रखता है। ज्ञान उसे विवेक देता है, वीरता कठिन परिस्थितियों में अडिग रखती है और वाणी की कुशलता उसे समाज में सम्मान दिलाती है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करना और उपकारों के प्रति कृतज्ञ रहना उसके व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 7 अगस्त को सुभाषित शेयर किया गया था।

> हमारे युवा साथी देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है।
>
> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

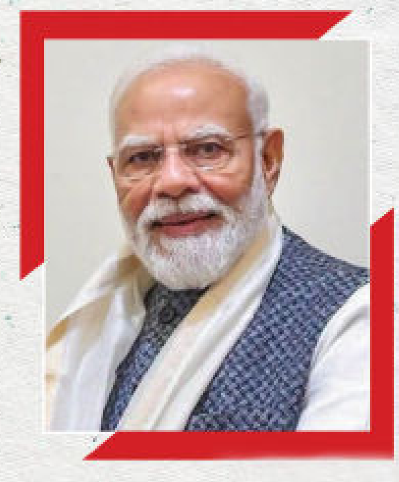

लोकसभा ने एफसीआरए संशोधन विधेयक जेपीसी को भेजा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने विदेशी अनुदान विनियमन संशोधन विधेयक (एफसीआरए), 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचार के लिए भेजने का प्रस्ताव बुधवार को विपक्ष के विरोध के बीच पारित कर दिया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में विधेयक को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह विधेयक गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) तथा अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर लाया गया है जिसे संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने पूरी तरह गलत बताया और कहा कि विपक्षी सदस्यों को विधेयक जेपीसी को भेजे जाने का समर्थन करना चाहिए ताकि वहां इस पर व्यापक विचार विमर्श हो सके। विपक्षी सदस्यों के शोर–शराबे के बीच सदन ने प्रस्ताव को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। प्रस्ताव के अनुसार जेपीसी के लिए लोकसभा के 21 सदस्यों का नामांकन अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के 10 सदस्यों का नामांकन सभापति सी पी राधाकृष्णन द्वारा किया जाएगा। समिति को अगले सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी।

उपेक्षा से विकास की नई रफ्तार तक पहुंचा पूर्वी उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा है, अवसर मिले तो वे देश का नेतृत्व कर सकते हैं

लखनऊ (संवाददाता)। पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास, बदलाव और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के लिए एक निजी न्यूज चैनल ने गोरखपुर में डायमंड स्टेट्स समिट–बदलता पूर्वी उत्तर प्रदेश'का आयोजन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया और क्षेत्र में हो रहे बदलावों तथा सरकार के विकास मॉडल पर विस्तार से अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश ने उपेक्षा का एक लंबा दौर देखा है। बीमारी, बाढ़, बेरोजगारी और माफिया तंत्र जैसी चुनौतियों ने लंबे समय तक क्षेत्र के विकास को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास की नई रफ्तार दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों में प्रतिभा की कभी कमी नहीं रही। रोजगार और अवसरों के अभाव में यहां से बड़े पैमाने पर पलायन हुआ, लेकिन अब युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और स्वरोजगार के लिए बेहतर अवसर और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव हुआ है। नए विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों, बेहतर स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग और आधुनिक आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि "आज का युवा बदलते हुए भारत का हिस्सा बनकर उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें सही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को क्षेत्र से पलायन रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस की चुनौती का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने गोरखपुर में ।प्प्डै और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेजों के विस्तार को स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बड़े बदलाव का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आज लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों की ओर जाने की जरूरत कम हुई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय पूर्वी उत्तर प्रदेश की पहचान माफिया तंत्र के कारण भी होती थी।

चर्चा के दौरान उठाये गये विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने को तैयार हूँ : अमित शाह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि विपक्ष चर्चा के लिए तैयार हो तो वह सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। श्री शाह ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ष्विपक्ष लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखकर दे कि वह चर्चा के लिए तैयार है। वह आज अपराह्न तीन बजे से लेकर गुरुवार शाम तीन बजे तक चर्चा के दौरान उठाये गये विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा, ष्वह भी चर्चा करूंगा कि आपको चर्चा क्यों नहीं चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार हर चीज पर चर्चा के लिए तैयार है, संसद वे चलने नहीं देते हैं। उन्होंने कहा, ष्विपक्ष संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही चलने ही नहीं दे रहा है, तो वहां जाकर क्या होगा? मैं किसी भी सवाल का जवाब संसद में देने के लिए तैयार हूं। श्री शाह ने कहा, ष्आज तीन बजे से चर्चा शुरू हो जाएगी, कल दोपहर तीन बजे मैं जवाब दे दूंगा। मैं खुद चर्चा में बैठूंगा। अब विपक्ष को तय करना है कि उन्हें चर्चा करनी है, या हंगामा करना है। सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। यह भी चर्चा करूंगा कि आपने सदन क्यों नहीं चलने दिया। गृह मंत्री ने कहा, ष विपक्ष तो यही मांग कर रहा है, हमने श्हांश बोल दिया। मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। मगर वे चर्चा ही नहीं होने देना चाहते। अब जनता तय करे कौन भाग रहा है? आज भी मैं कहता हूं। मैं सदन में ही बैठूंगा, सबको सुनूंगा और सब चीजों का जवाब दूंगा। गौरतलब है कि विपक्ष राजधानी में 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए संसद में हंगामा और शोरगुल कर रहा है, जिससे कार्यवाही निरंतर बाधित हो रही है। कल मानसून सत्र का अंतिम दिन है।

देश को चुकानी पड़ रही कीमत

यूएस में अदाणी के खिलाफ केस बंद होने पर राहुल गांधी का पीएम पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। यह हमला अमेरिकी संघीय अदालत की ओर से अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने के बाद किया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक श्समझौता कर चुके प्रधानमंत्रीश को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमेरिकी अदालत के उस फैसले से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। रिपोर्ट में बताया गया था कि अमेरिकी न्याय विभाग के गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आरोप खारिज करने के अनुरोध को अदालत ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, इसमें जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, श्एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। भारत इसकी बहुत बड़ी कीमत चुका रहा है। अमेरिकी संघीय अदालत के जज ने हाल ही में गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इससे बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक काम करने वाले अदाणी समूह पर करीब दो साल से बना कानूनी दबाव खत्म हो गया।

> यह मामला जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। भारत इसकी बहुत बड़ी कीमत चुका रहा है।
>
> राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

कश्मीर में तिरंगा लहराते हुए देखना सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय : नवीन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि कश्मीर में तिरंगा आन– बान और शान के साथ लहराता हुआ नजर आ रहा है जो सभी भारतवासियों के लिए गर्व का विषय है। श्री नवीन आज यहां कर्तव्य पथ पर आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कहा कि 2011 में जब श्रीनगर के लाल चौक पर देश का तिरंगा लहराने पर सवाल उठते थे, तो देश के करोड़ों युवाओं के दिल में दर्द होता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संविधान में शामिल कश्मीर से संबंधित अनुच्छे 370 को समाप्त किया और सही मायने में जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला

संसद में जवाब देने से बच रही सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है। सरकार इसे राज्य का विषय बता रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी। संसद में मानसून सत्र खत्म होने के करीब होने के बावजूद जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस नहीं करती। संसद ही वह जगह है, जहां उसे सवालों के जवाब देने होते हैं और बयान देना होता है। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। देश के युवा सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे।

> सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है और इसे राज्य का विषय बता रही है। जबकि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी।
>
> प्रियंका गांधी, सांसद, कांग्रेस

गर्व से झंडा फहराएं, स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करें : सीएम रेखा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर बड़े उत्साह और प्रेम के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने और राष्ट्रीय ध्वज को गर्व से फहराकर उनका सम्मान करने का आह्वान किया। रेखा गुप्ता ने दिल्ली के लोगों के साथ–साथ पूरे देश की जनता को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्हर घर तिरंगाश बाइक रैली पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि तिरंगा सिर्फ हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की ताकत, महत्वाकांक्षाओंऔर उम्मीदोंका प्रतीक है। आज की बाइक रैली हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देती है और युवाओं व आने वाली पीढ़ी का जश्न मनाती है, जो भारत का भविष्य और नेता हैं।

सार संक्षेप

बंगाल से पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने उत्तर 24 परगना के हाबरा से पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह 2012 में भारत–नेपाल सीमा के रास्ते भारत आया था और फर्जी भारतीय पहचान पत्रों के सहारे राज्य के अलग–अलग इलाकों में रह रहा था। जांच में उसके आईएसआई से कथित संपर्क और भारतीय सेना, नौसेना व रेलवे से जुड़ी जानकारी जुटाने के आरोप सामने आए हैं। एसटीएफ ने फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने के आरोप में मोहम्मद इजाज को भी गिरफ्तार किया है और दोनों से पूछताछ के जरिए कथित नेटवर्क तथा पाकिस्तान भेजी गई जानकारी का पता लगाने की कोशिश जारी है। राज्य पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की लंबी पूछताछ के दौरान आलम ने कबूल किया कि वह वर्ष 2012 में भारत–नेपाल सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। इसके बाद से वह पश्चिम बंगाल के अलग–अलग इलाकों में रह रहा था और समय–समय पर अपनी ठिकाना बदलता रहता था।

परिसीमन विधेयक का विरोध करेगी टीवीके सरकार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के खेल मंत्री आधव अर्जुन ने बुधवार को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आबादी के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण उत्तर भारतीय वर्चस्व को और मजबूत करेगा और तमिलनाडु की आवाज को हाशिए पर धकेल देगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक हालात, जिसमें कुछ उत्तरी राज्य मिलकर प्रधानमंत्री तय करते हैं, उनमें बदलाव आना चाहिए और प्रधानमंत्री दक्षिणी राज्यों से भी चुना जाना चाहिए। अर्जुन ने कहा, श्ऐसी स्थिति जिसमें पांच या छह उत्तरी राज्य मिलकर यह तय कर सकते हैं कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा, उसमें बदलाव होना चाहिए। भविष्य में, प्रधानमंत्री दक्षिणी राज्यों से भी चुना जाना चाहिए खुद तमिलनाडु से। यह प्रस्ताव कांग्रेस बनाम भाजपा के बारे में नहीं है। यह राज्यों की स्वायत्तता बनाए रखने के बारे में है। इस प्रस्ताव का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हम उत्तरी भारत के दबदबे में न आएं।

दिल्ली में जंतर-मंतर सीजन-2 जल्द, सीजेपी का बड़ा एलान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि बैठक के लिए हॉल बुक करने के बाद उसके मालिकों को धमकियां दी गईं। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के लिए भाजपा पर आरोप लगाया। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दीपके ने कहा कि सीजेपी को आज दिल्ली में अपने कार्यकर्ताओं की बैठक करनी थी। इसके लिए पार्टी काफी समय से हॉल की तलाश कर रही थी। उनका दावा है कि कई जगहों पर हॉल देने से इनकार कर दिया गया। हॉल मालिकों ने कथित तौर पर कहा कि उन पर ऊपर से दबाव है। अभिजीत दीपके ने कहा कि काफी मुश्किलों के बाद सीजेपी ने एक हॉल बुक किया था।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली

डीएम सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय इंटर कॉलेज से हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

रायबरेली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज जिला प्रशासन द्वारा भव्य 'तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया। रैली को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय इंटर कॉलेज से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर रैली में प्रतिभाग किया। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता एवं जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने भी हाथ में तिरंगा लेकर रैली में सहभागिता की। तिरंगा रैली में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, वैदिक इंटर कॉलेज एवं आचार्य द्विवेदी इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने भी अनुशासित ढंग से रैली में सहभागिता की। रैली में लगभग 1500 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग कर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा रैली राजकीय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर जिला अस्पताल, खालसा चौक, सुपर मार्केट, घंटाघर, कोतवाली एवं कचहरी होते हुए पुनः राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में आकर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया और वातावरण को राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत–प्रोत कर दिया।रैली के माध्यम से जनपदवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को भव्य एवं प्रभावशाली स्वरूप प्रदान किया। जिला प्रशासन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक–शिक्षिकाएं, एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर रैली में प्रतिभाग किया। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता एवं जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने भी हाथ में तिरंगा लेकर रैली में सहभागिता की। तिरंगा रैली में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, वैदिक इंटर कॉलेज एवं आचार्य द्विवेदी इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने भी अनुशासित ढंग से रैली में सहभागिता की।

विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन

बांदा,संवाददाता। तिंदवारी मंडल में बुधवार को एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस देशभक्तिपूर्ण यात्रा की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनूप तिवारी ने की। यात्रा की शुरुआत सरस्वती बालमंदिर कॉलेज के छात्रों द्वारा बैंड–बाजे और घोष के साथ हुई। इसमें सिटी मॉडल पब्लिक स्कूल और सत्यनारायण इंटर कॉलेज तिंदवारी के छात्रों ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। कॉलेजों के शिक्षकगणों ने यात्रा में विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला अध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, राजभवन उपाध्याय, धीरेन्द्र सिंह और चेयरमैन श्रीमती सुधा साहू शामिल थीं। पूर्व सूबेदार मेजर वीरेंद्र सिंह रमेश साहू सहित अन्य सैनिकों की उपस्थिति ने यात्रा को विशेष गौरव प्रदान किया। नगर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में देशभक्त नागरिक तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा से एक दिन पहले आशीष चंदेल, शिवम द्विवेदी और राहुल द्वारा नगर में तिरंगा झंडों का वितरण भी किया गया था। पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से माहौल देशभक्तिमय बना रहा।

चाकू से हमला युवक गंभीर घायल

बांदा,संवाददाता। पैलानी थाना क्षेत्र के चंदवारा गांव में मंगलवार–बुधवार रात करीब दो बजे दीपक सिंह (पुत्र स्वर्गीय तरुण सिंह) पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज बांदा में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने बताया कि रात में हुए इस हमले में दीपक सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए। इस मामले में पैलानी पुलिस से निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। थानाध्यक्ष पैलानी रामनारायण राय ने जानकारी दी कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्ति को लेकर जागरुकता अभियान आयोजित

बांदा,संवाददाता। मुरवल गांव स्थित जय भारत इंटर कॉलेज में नशा मुक्ति को लेकर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें राजयोग एवं रिसर्च फाउंडेशन ने सहयोग किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। उन्हें अपने परिवार और समाज के अन्य सदस्यों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया और दूसरों को भी नशे से बचाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने की प्रतिज्ञा ली। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम "10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा अभियान" का हिस्सा है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के माध्यम से देशभर में लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में मुरवल के जय भारत इंटर कॉलेज में भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार, प्रबंधक महेंद्र सिंह, शिक्षक–शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और अभियान से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाकर एक नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना था।

राजकीय इंटर कॉलेज में विज्ञान कार्यशाला आयोजित

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के राजकीय इंटर कॉलेज उरई में जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जालौन के निर्देशन में एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 200 विज्ञान गाइड शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। यह कार्यशाला मुख्य अतिथि सुश्री व्यंजना सिंह, डीसी माध्यमिक, और विशिष्ट अतिथि जितेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय इंटर कॉलेज उरई, की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला का संचालन अनिल गुप्ता, डीसी इंस्पायर्ड अवार्ड मानक, जालौन ने किया। कार्यशाला में राजेंद्र सिंह, डीसी एनसीएससी जालौन, ने विज्ञान और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. नफीसुल हसन, असिस्टेंट प्रोफेसर डीवीसी उरई और एकेडमिक डीसी एनसीएससी जालौन, ने गाइड शिक्षकों को फोकल थीम की विस्तृत व्याख्या की। नरेश श्रीवास, एडवाइजर, ने प्रत्येक चरण की पूर्ण व्याख्या की, जबकि डॉ. विजय सक्सेना, प्रवक्ता, ने अनुसंधान और एब्सट्रैक्ट के महत्व को समझाया। डॉ. आदर्श निगम ने अपने अनुभव साझा किए। सह–समन्वयक उदयवीर सिंह ने विज्ञान गाइड शिक्षकों को एनसीएससी के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी और इसे स्मार्ट डिजिटल बोर्ड पर करके दिखाया। इस अवसर पर अरविंद श्रीवास्तव, मोहित गुप्ता (एआरपी), उदय वीर निरंजन, हरिमोहन, आशीष साहू, नरेंद्र सिंह, राम प्रकाश गौतम, देवेंद्र सिंह (एआरपी), उदय करण राजपूत, सुमित त्रिपाठी, राजेंद्र गुप्ता, अमर सिंह गौतम, मंगल सिंह प्रजापति सहित कई अध्यापक–अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

वाराणसी में रोपवे का टेस्टिंग ट्रायल शुरू, जल्द शुरू होगी रोपवे की सवारी

वाराणसी। काशी वासियों के लिए वो दिन अब दूर नहीं जब रोपवे की सवारी करेंगे। रथयात्रा से गिरजाघर के बीच रोपवे का टेस्टिंग ट्रायल शुरू हो गया है। रोपवे डालने के बाद गोंडोला का संचालन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार लोड टेस्टिंग के जरिये सुरक्षा की गहन जांच की जा रही है। इस प्रक्रिया में इस्पात की रस्सियों की क्षमता सहित रोपवे से जुड़े तमाम तकनीकी बिंदुओं को परखा जा रहा है। टेस्टिंग के दौरान एक बार में कम से कम चार–दो बार गोंडोला चलाया जा रहा है, ताकि परियोजना को जनता के लिए पूरी तरह सुरक्षित रूप से शुरू किया जा सके। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ही यात्रियों के लिए रोपवे सेवा शुरू की जाएगी। यह काशी की पहली अर्बन ट्रांसपोर्ट रोपवे परियोजना है। करीब 3.8 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर पांच स्टेशन बनाए जाएंगे। परियोजना के तहत 29 टावर बनाए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से रोपवे को निर्धारित मानकों के अनुसार कई स्तरों पर जांचा जा रहा है। लोड टेस्टिंग के दौरान गोंडोला में सामान्य क्षमता से अधिक भार रखा जाएगा। करीब 800 किलो तक वजन रखकर इसकी क्षमता और सुरक्षा का परीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद ही रोपवे को आम लोगों के लिए खोला जाएगा।

कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित

250 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां, 18 को पदक से सम्मान

बांदा,संवाददाता। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 250 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 207 छात्र और 43 छात्राएं शामिल रहीं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 18 मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया, जबकि 50 विद्यार्थियों को मेरिट प्रमाण–पत्र दिए गए। बीएससी ऑनर्स कृषि की छात्रा अनुष्का सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। समारोह में कुलाधिपति की ओर से विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम. बोबड़े और मुख्य अतिथि प्रख्यात कृषि प्रसार वैज्ञानिक एवं योजना आयोग के पूर्व कृषि सलाहकार डॉ. वीवी सदामते मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत शोभायात्रा और राष्ट्रगीत से हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध और कृषि प्रसार उपलब्धियों को भी सामने रखा गया। समारोह में बीएससी ऑनर्स कृषि, उद्यान, वानिकी, एमएससी, गृहविज्ञान और पीएचडी समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की उपाधियों को डिजिलॉकर पर भी अपलोड किया। कुल 18 पदकों में सात स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक शामिल रहे। कुलाधिपति स्वर्ण पदक अनुष्का सिंह को मिला। वाइस चांसलर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में निर्भय सिंह, दीपल जोशी, शिवानी, मुस्कान गुप्ता, साक्षी पटेल और रत्नेश सिंह शामिल रहे। निर्भय सिंह ने बीएससी कृषि में 87.13:, दीपल जोशी ने बीएससी उद्यान में 86.99:, शिवानी ने बीएससी वानिकी में 85.58:, मुस्कान गुप्ता ने एमएससी कृषि सांख्यिकी में 91.30:, साक्षी पटेल ने एमएससी उद्यान फल विज्ञान में 87.21: और रत्नेश सिंह ने एमएससी वानिकी में 85.65: अंक हासिल किए।

महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया

वाराणसी। वाराणसी कमिश्नरेट की पुलिस लगातार स्कूल– कॉलेजों में महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चला रही हैं। मिशन शक्ति फेज–5 के तहत लोहता पुलिस ने क्षेत्र के स्कूल–कॉलेजों में महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को महिला अपराधों से बचाव, उनके अधिकारों और पुलिस सहायता की जानकारी दी। अभियान के दौरान शिक्षण संस्थानों के आसपास संदिग्ध रूप से घूमने वाले मनचलों और अराजक तत्वों की सघन चेकिंग की गई। पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा कि छात्राओं की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में छात्राओं को 112, 1090, 108, 1076 और 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस ने छेड़छाड़, धमकी या किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल सहायता लेने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र और प्रदेश सरकार के 360 डिग्री कार्यक्रम की जानकारी भी दी। इसके अलावा छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया पर सावधानी और अनजान लिंक से दूर रहने के प्रति जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थिति में युवती का मिला शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के धरहरा गोमती नदी के किनारे बुधवार को एक संदिग्ध परिस्थिति में युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पाते ही चौकी इंचार्ज पवन राय फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मिली जानकारी के अनुसार, धरहरा गांव निवासी शीला देवी पति भैया लाल प्रतिदिन की तरह कल सुबह घर से शौच के लिए निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह जब ग्रामीण नदी किनारे गए तो उन्होंने शव को पानी में तैरते देखा। तुरंत परिजनों को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने शव की पहचान के बाद उसे कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्टीकरण हो पाएगा। पुलिस ने बताया कि मामले की हर पहलू से जाँच की जा रही है।

जेवर विधायक ने एयरपोर्ट के जलभराव का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बुधवार दोपहर 1 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास पार्किंग स्थल में हुए जलभराव का निरीक्षण किया। मंगलवार शाम 3 बजे को हुई बारिश के बाद यहां पानी भर गया था। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से जलभराव की स्थिति और जल निकासी व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विधायक धीरेन्द्र सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को केवल गड्ढे और पानी दिखाई दे रहे हैं, जबकि जेवर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, विश्वस्तरीय सड़कें, औद्योगिक निवेश और रोजगार के अवसर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जलभराव को मुद्दा बनाकर विकास से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जेवर के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेवर विकास की मुख्यधारा से जुड़कर औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया है। नोएडा एयरपोर्ट ने इस क्षेत्र को देश–दुनिया में नई पहचान दी है। धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट किया कि जलभराव या किसी भी तकनीकी कमी को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने और आवश्यक सुधार के साथ स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय का जलभराव जेवर के विकास को कम नहीं कर सकता। जहां भी कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर कराया जाएगा।

जीएसटी कंसल्टेंट से 29 लाख की लूट का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा की बिसरख थाना पुलिस ने जीएसटी कंसल्टेंट से 29 लाख रुपये की लूट के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल 26 की तर्ज पर जीएसटी अधिकारी और पुलिसकर्मी बनकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने लूटी गई पूरी रकम और सामान भी बरामद कर लिया है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र सिंह ने बताया कि यह घटना 20 जुलाई को हुई थी। बिसरख थाना क्षेत्र के निवासी जीएसटी कंसल्टेंट संदीप को आरोपियों ने अपनी कार से ओवरटेक किया। खुद को जीएसटी अधिकारी बताकर और जीएसटी में गड़बड़ी का आरोप लगाकर, उन्होंने संदीप को अपनी गाड़ी में बिठा लिया। इस दौरान दो आरोपी यूपी पुलिस की वर्दी में भी थे। आरोपियों ने संदीप को कार में लगभग 7 घंटे तक बंधक बनाए रखा। आरोपी संदीप को गाड़ी में बिठाकर यमुना एक्सप्रेसवे से जेवर की तरफ ले गए और लखनऊ ले जाने की बात कही। उन्होंने संदीप से 50 लाख रुपये की मांग की, जिसके बाद 29 लाख रुपये पर सहमति बनी। आरोपी वापस लौटे और पीड़ित के भाई ने उन्हें 29 लाख रुपये सौंप दिए। पीड़ित ने घर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। शुरुआत में पुलिस ने जांच–पड़ताल की, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। घटना के 19 दिन बाद इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई और पांच टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने अब इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें बिजनौर निवासी कशिश चौहान (मुख्य आरोपी), दिल्ली निवासी राजेश पवार, मथुरा निवासी विवेक शर्मा, देवरिया निवासी अंकित शाही और एटा निवासी अंशुल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 24 लाख 50 हजार रुपये नकद, 4 लाख 50 हजार रुपये के सोने के आभूषण, पुलिस सब–इंस्पेक्टर की वर्दी, दिल्ली डिफेंस फोर्स की वर्दी और 7 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, लूटी गई पूरी रकम और सामान बरामद कर लिया गया है।

कुलाबा समितियों की निर्वाचक नामावली के आलेख्य का अनंतिम प्रकाशन

रायबरेली। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीध्अधिशासी अभियंता, शारदा सहायक खण्ड–45, रायबरेली रमाशंकर राय ने बताया कि चुनाव अधिकारी एवं मुख्य अभियंता (शारदा सहायक), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में शारदा सहायक खण्ड–45, रायबरेली के अंतर्गत नहरों की कुलाबा समितियों के पूर्व में हुए चुनाव के समय तैयार निर्वाचक नामावली का अनंतिम प्रकाशन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित निर्वाचक नामावली निरीक्षण के लिए फुरसतगंज नहर कोठी तथा जिलेदारी परशदेपुर नहर कोठी, परशदेपुर में उपलब्ध रहेगी। इसमें डीह रजबहा के किमी 0.000 से 36.500 के मध्य के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे तथा दौतरा, ताजपुर, नसीराबाद एवं मऊ रजबहा के कुलाबे शामिल हैं। वहीं डीह रजबहा के किमी 36.500 से 70.524 के मध्य के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे तथा सिरसी एवं उदयपुर रजबहा के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे भी नामावली में सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया है कि निर्वाचक नामावली में किसी नाम को सम्मिलित किए जाने के संबंध में दावा, सम्मिलित किसी नाम पर आपत्ति अथवा किसी विवरण के संबंध में अपील हो तो संबंधित व्यक्ति 11 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक निर्धारित परिशिष्ट–19, 20 अथवा 21 के उपयुक्त प्रारूप में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी एवं कंपोजिट विद्यालय दुखीपुर का किया निरीक्षण

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज, 12 अगस्त 2026 | मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने आज खंड विकास अधिकारी कौड़िहार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार एवं डीसी बालिका संतोष पांडे के साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कौड़िहार का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थित कंपोजित विद्यालय दुखीपुर का भी भ्रमण किया। उन्होंने परिषदीय

विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों से गणित, अंग्रेजी एवं हिंदी विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके शैक्षिक स्तर का आकलन किया। बच्चों द्वारा मुख्य विकास अधिकारी के सवालों के संतोषजनक उत्तर दिए जाने तथा अंग्रेजी की कहानी सुनाए जाने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन (एमडीएम) भी ग्रहण किया। उन्होंने छात्राओं के साथ भोजन करते हुए उनसे संवाद किया तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्राओं के साथ भोजन करने के अनुभव को उन्होंने सुखद बताते हुए कहा कि बच्चों के साथ समय बिताना और उनके साथ भोजन करना उनके लिए विशेष अनुभव है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा–9 में नामांकित छात्राओं को स्टेशनरी एवं बैग का वितरण भी किया गया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, नियमित विद्यालय आने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

मंडलायुक्त ने संग्रहालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न गैलरियों का अवलोकन किया

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर संग्रहालय की व्यवस्थाओं, आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने आज निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय के रूप में संग्रहालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न गैलरियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शित कलाकृतियों, संग्रहालय की व्यवस्थाओं एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर संग्रहालय से संबंधित आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में अवगत कराए जाने पर कि संग्रहालय में उपलब्ध लगभग 90 प्रतिशत कलाकृतियां वर्तमान में रिजर्व में रखी हुई हैं, मंडलायुक्त ने रिजर्व में संरक्षित प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों, विशेष रूप से पुराने एवं स्टोन स्कल्पचर्स को चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कलाकृतियों को लोगों के सामने लाने से नई पीढ़ी को उनके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझने तथा उनसे जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक तीन माह में थीम के आधार पर प्रदर्शित कलाकृतियों में बदलाव किया जाए, ताकि आगंतुकों को हर बार कुछ नया देखने को मिले और संग्रहालय के प्रति उनकी रुचि एवं आकर्षण बना रहे।

निरीक्षण के दौरान संग्रहालय की नेचुरल हिस्ट्री गैलरी में पक्षियों से संबंधित प्रदर्शित पुराने संरक्षित नमूनों एवं अवशेषों का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि जो नमूने अत्यधिक पुराने हो चुके हैं और नियमानुसार प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं, उनके संबंध में प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई की जा सके। बैठक में मानसून के दृष्टिगत आगामी 25 अगस्त तक मानसून प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसमें शहर के कलाकारों को आमंत्रित कर मानसून विषय पर तैयार उनकी पेंटिंग्स प्रदर्शित की जाएंगी। प्रदर्शनी में फोटो प्रदर्शनी को भी शामिल करने तथा आगे अन्य विषयों पर प्रदर्शनियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही, स्कूलों के विद्यार्थियों को आमंत्रित कर ऑन–द–स्पॉट ऑयल एवं कैनवस पेंटिंग आयोजित कराने को कहा गया, ताकि युवा पीढ़ी में कला एवं संग्रहालय के प्रति रुचि को बढ़ावा मिल सके। इलाहाबाद संग्रहालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एवं विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त ने देश के प्रमुख संग्रहालयों की कार्यप्रणाली, नवाचारों एवं बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन करने पर जोर दिया। उन्होंने पटना एवं बेंगलुरु के विश्वस्तरीय संग्रहालयों से प्रेरणा लेते हुए इलाहाबाद संग्रहालय के विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में पटना संग्रहालय की टीम को आमंत्रित कर अनुभव एवं विशेषज्ञता का आदान–प्रदान करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित नगर आयुक्त को मंडलायुक्त ने संग्रहालय परिसर के अंदर एवं बाहर मेगा क्लीनिंग ड्राइव चलाकर समुचित साफ–सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मानसून के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए परिसर में आवश्यकतानुसार पेड़ों की छंटाई एवं अन्य अनुरक्षण कार्य भी प्राथमिकता से कराने को कहा गया। संग्रहालय की गतिविधियों, प्रदर्शनियों एवं उपलब्धियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित एवं प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग संग्रहालय की गतिविधियों से जुड़ सकें और इसकी समृद्ध विरासत से परिचित हो सकें।

प्रयागराज मंडल में दो दिवसीय इंटर–रेलवे सेफ्टी ऑडिट का आयोजन

पश्चिम मध्य रेलवे की टीम ने प्रयागराज-फतेहपुर रेलखंड का किया व्यापक संरक्षा निरीक्षण

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। रेल परिचालन में संरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने तथा विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता की समीक्षा के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे (ब्ट्) की टीम द्वारा प्रयागराज मंडल के प्रयागराजदृफतेहपुर (च्त्श्रदृथ्ज्च) रेलखंड का दो दिवसीय इंटर–रेलवे सेफ्टी ऑडिट किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 अगस्त 2026 को रेलखंड के विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों, यार्ड, लेवल क्रॉसिंग, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग, पुलों तथा अन्य संरक्षा से संबंधित संस्थापनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे, मनोज गुरुमुखी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे की सेफ्टी ऑडिट टीम का नेतृत्व राजेश दत्त बाजपेयी, ब्ज्च्ड–ॅब् ने किया। टीम में प्रदीप कुमार, ब्–ळ–ॅब्, आशीष के. कुलहाड़ा, ब्ड्म–च्स्ळ, माही पाल सिंह, ब्ब्–ॅब् तथा सुरेंद्र यादव, ब्स्स्–ॅब् सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं उनकी टीम शामिल रही। सेफ्टी ऑडिट के दौरान टीम द्वारा प्रयागराजदृफतेहपुर रेलखंड में स्थित विभिन्न महत्वपूर्ण संरक्षा संस्थापनों एवं परिसंपत्तियों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम में भरवारी स्टेशन एवं यार्ड, लेवल क्रॉसिंग गेट स्ब्–13।, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग, कर्व संख्या 12 न्च्, मेजर ब्रिज संख्या 109 (गर्डर ब्रिज), स्ै संख्या 40 तथा फतेहपुर स्टेशन एवं यार्ड को शामिल किया गया। भरवारी स्टेशन पर स्टेशन एवं यार्ड की व्यवस्थाओं के साथ–साथ स्ब्–13।, संबंधित पॉइंट एवं क्रॉसिंग तथा कर्व का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की गई। टीम द्वारा मौके पर कार्यरत कर्मचारियों से उनके कार्य, जिम्मेदारियों तथा संरक्षा प्रक्रियाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर उनकी कार्य संबंधी दक्षता एवं जागरूकता का भी आकलन किया गया। इसके पश्चात सेफ्टी ऑडिट टीम द्वारा सिराथूदृअथसराय के मध्य क्छ लाइन पर स्थित मेजर ब्रिज संख्या 109 (गर्डर ब्रिज) का निरीक्षण किया गया। टीम ने पुल की संरक्षा एवं उससे संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद स्ै संख्या 40 तथा उससे संबंधित रेलखंड का भी निरीक्षण किया गया।सेफ्टी ऑडिट टीम ने फतेहपुर स्टेशन एवं यार्ड का भी गहन निरीक्षण किया। इस दौरान निर्धारित पॉइंट, ैम्श्र, रिले रूम तथा स्टेशन एवं यार्ड से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण संरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। टीम द्वारा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक तकनीकी जानकारी प्राप्त की गई तथा संरक्षा से जुड़े अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। सेफ्टी ऑडिट के दौरान टीम द्वारा फील्ड

में कार्यरत कर्मचारियों से संरक्षा नियमों एवं कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई, जिससे यह आकलन किया जा सके कि निर्धारित संरक्षा प्रक्रियाओं एवं प्रावधानों का पालन व्यवहारिक स्तर पर किस प्रकार किया जा रहा है। इस निरीक्षण का प्रमुख उद्देश्य रेलखंड में संरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रावधानों एवं मानकों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा करना, फील्ड स्तर पर उपलब्ध संरक्षा व्यवस्थाओं का आकलन करना तथा आवश्यकता के अनुरूप सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना रहा।सेफ्टी ऑडिट के दौरान प्रयागराज मंडल की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक–परिचालन एम.एम. वारिस एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी यू.सी. शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रयागराज मंडल के संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे की ऑडिट टीम को निरीक्षण के दौरान आवश्यक तकनीकी जानकारी, अभिलेख एवं अन्य विवरण उपलब्ध कराए गए। ऑडिट के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी टीम के साथ उपस्थित रहे तथा निरीक्षण से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। दो दिवसीय इंटर–रेलवे सेफ्टी ऑडिट के दूसरे दिन 13 अगस्त 2026 को प्रयागराज स्टेशन पर ।त्ज्– ।त्ड्म, लॉबी एवं रनिंग रूम का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है। इसके उपरांत सेफ्टी ऑडिट टीम द्वारा मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के साथ बैठक भी की जाएगी। इंटर–रेलवे सेफ्टी ऑडिट के माध्यम से विभिन्न विभागों की संरक्षा व्यवस्थाओं, कार्यप्रणाली तथा निर्धारित संरक्षा मानकों के अनुपालन की व्यापक समीक्षा की जा रही है। इस प्रकार के ऑडिट से फील्ड स्तर पर संरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने, संभावित कमियों की पहचान करने तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों को समयबद्ध रूप से लागू करने में सहायता मिलती है।प्रयागराज मंडल द्वारा रेल परिचालन में उच्चतम स्तर की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण, समीक्षा एवं सुधारात्मक कार्यों को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है।

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश तथा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित तिरंगा रैली आज दिनांक 12 अगस्त 2026 को हिंदू हॉस्टल से प्रारंभ होकर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक स्थल तक वंदे मातरम तथा भारत माता की जय करते हुए पहुंची। रैली का शुभारंभ सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अनिल कुमार उर्फ अन्नू भैया तथा उप नियंत्रक ने झंडी दिखाकर किया।अभियान के चौथे दिन तिरंगा यात्रा निर्धारित रास्ते पर तिरंगा जयघोष का नारा लगाते हुए अपने गंतव्य स्थल अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल गेट

नंबर 3 तक पहुँच कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस तिरंगा रैली में भारत स्काउट गाइड के फिरोज अहमद खान की टीम, नागरिक सुरक्षा के उप नियंत्रक नीरज मिश्रा की टीम, संस्कृति विभाग के पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर और क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा सहित कमांडेंट होमगार्ड के नामित अधिकारी व कर्मचारीगण सम्मिलित रहे। स्काउट गाइड के अध्यापकों और छात्रों सहित सिविल डिफेंस और होमगार्ड कर्मियों से हर घर तिरंगा अभियान के वृहद प्रचार का आह्वान किया तथा पांडुलिपि अधिकारी ने हर घर तिरंगा पोर्टल पर तिरंगा के साथ अधिक से अधिक सेल्फी अपलोड करने की अपील की। इस कार्यक्रम में सभी ने बड़े हर्षोल्लास व उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा देशभक्ति का परिचय देते हुए कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन अपने निर्धारित चन्द्र शेखर आजाद प्रतिमा स्थल पर सायंकाल 5 बजे प्रारंभ हुआ। इसके अंतर्गत संस्कृति विभाग में पंजीकृत कलाकार प्रतिमा मिश्र लोक गायिका के द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया जिसके बोल ई तिरंगा हमरे हिन्दू के निसान वा भारत के शान वा ना, मेरे प्राणों से है हमको प्यारा तीन रंग का तिरंगा हमारा,मोरे देश सारे देश से महान मितऊ चाहे भारत कहा चाहे हिन्दूस्तान मितऊ, निपुण भारत के सुन्दर अभियान वा योजना महान वा ना,–परायर्वन के बचावा हो सइया पेड लगावा, सावन की सबको बधाई कि राधा रानी मुलन आई – कजरी वदरिया बरसे श्याम नहीं आए, नन्ही –2 बुदिया रे सावन का मोरा फूलना थे। प्रतिमा मिश्रा ने देश भक्ति लोक गायन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया इसके अतिरिक्त विभिन्न लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी समापन के पूर्व क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया। समापन के पूर्व क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया।

जुलाई माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टिकट चेकिंग स्टाफ को किया गया सम्मानित

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। मण्डल रेल प्रबन्धक–प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक–कोचिंग, हरिमोहन के निर्देशन में निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाये जा रहे हैं। आज दिनांक 12 जूलाई 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हरि मोहन द्वारा जुलाई –2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले टिकट चेकिंग स्टाफ को प्रशस्ति–पत्र से सम्मानित किया गया। मंडल के टिकट चेकिंग कर्मचारियों ने बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध चलाए गए विशेष जांच अभियानों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए घ्8.90 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। इस अवसर पर शशिरंजन, सहायक वाणिज्य प्रबंधक–टिकट चेकिंग एवं अम्बरीश कुमार राय, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक–टिकट चेकिंग भी उपस्थित रहे द्य जुलाई 2026 में ओपन स्क्वाड श्रेणी में कार्यरत कर्मचारियों ने विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस श्रेणी में कुणाल कुमार, मुख्य टिकट निरीक्षक–प्रयागराज ने 952 मामलों में कार्रवाई कर घ्10.09 लाख का राजस्व अर्जित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। संतोष कुमार, वाणिज्यक सह टिकट लिपिक ने छ9.98 लाख तथा राजकुमार यादव, मुख्य टिकट निरीक्षक ने छ9.24 लाख का राजस्व अर्जित कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अविनाश कुमार सिंह ,उप मुख्य टिकट निरीक्षक एवं श्री रविकान्त तिवारी, उप मुख्य टिकट निरीक्षक ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एमेनिटी स्टाफ श्रेणी में विजय पाल, मुख्य टिकट निरीक्षक–प्रयागराज ने सबसे अधिक आय अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं पोपट लाल मीणा, लज्जा राम मीणा, बीकेश कुमार सिंह, तथा कृष्णा कुमार चौरसिया ने भी सराहनीय कार्य किया।

श्वेताम सिंह , उप मुख्य टिकट निरीक्षक ने उत्कृष्ट कार्य करते हुये 891 मामलों में कार्रवाई करते हुए घ्8.48 लाख का राजस्व अर्जित कर महिला टिकट चेकिंग कर्मचारियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में स्टेशन स्टाफ श्रेणी में चलाए गए इंटेंसिव टिकट चेकिंग अभियान के अंतर्गत अरविंद कुमार सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक (मानिकपुर) ने 799 मामलों में कार्रवाई करते हुए 7.82 लाख का राजस्व अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुशांत कुमार , उप मुख्य टिकट निरीक्षक (मानिकपुर) तथा ममता रानी, वरिष्ठ टिकट परीक्षक, फिरोजाबाद ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। किरण तिवारी, वाणिज्यक सह टिकट लिपिक–फिरोजाबाद एवं अंजय कुमार, वाणिज्यक सह टिकट लिपिक–इटावा ने भी सराहनीय कार्य किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक–कोचिंग, हरि मोहन ने चयनित कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं सतत प्रयासों से न केवल रेलवे राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि यात्रियों में वैध टिकट के साथ यात्रा करने तथा नियमों के पालन के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। प्रयागराज मंडल यात्रियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं बेहतर यात्रा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाता रहेगा, जिससे कार्य संस्कृति में उत्कृष्टता को बढ़ावा मिल सके।

सोने की चिड़िया

सुना था संसार के नक्से पर एक सोने की चिड़िया बसती थी।
वो हस्ती थी चहकती थी सुन्दर गहनों से सजती थी।
गंगा यमुना के चूनर संग हिम का मुकुट पहनती थी।
सागर की चंचल लहरों पर मचलती थी, थिरकती थी।
सुना था संसार के नक्से पर एक सोने की चिड़िया बसती थी।
अपने इस सुन्दर यौवन पे इठलाती थी इतराती थी।
सावन के रिमझिम बूंदों संग, वो सुर सरगम गाती थी।
टिम तारों से बाते कर वो खिलखिला के हस्ती थी।
चंदा की चमचम चांदनिया में रजनीगंधा सी महकती थी।
सुना था संसार के नक्से पर एक सोने की चिड़िया बसती थी।।
एक रोज एक काले बादल ने घनघोर घटा सा घेर लिया।
जुल्मों सितम की बारिश कर सुंदर उपवन को बिखेर दिया।
घर के जल्लान परिन्दों ने भी साथ दिया दरिन्दों का।
अत्याचार के चंगुल में वो बस रोती थी, सिसकती थी।
सुना था संसार के नक्से पर एक सोने की चिड़िया बसती थी।।
फिर भोर हुआ सूरज निकला, नभ–अम्बर में छायी लाली।
लग गया सजाने उपवन को एक मतवाला सा वनमाली।
लगे नये कोपले पेड़ों पर चमचम चमकी डाली–डाली।
सतरंगी सुरभित फूलों से उपवन में छायी हरियाली।
चलों हाथ बढ़ायें सब मिलकर हम भी बन जायें बनमाली।
एक–एक पौंधे रोपड़ करके भर दें उपवन में खुशियाली।
कह दें इन दुनिया वालों से अब भी वो चिड़िया रहती है।
जो रोज सबेरे गा–गा के 'जय भारत माता' कहती है।

–करन कुमार

मो0नं0–9838628388

सम्पादकीय

खाड़ी पर ऊर्जा निर्भरता के खतरे

एक पुरानी कहावत है कि नमाज छुड़ाने गए थे, लेकिन रोजे गले पड़ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यही हुआ। ट्रंप ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने चले थे, लेकिन होर्मुज बंद करा बैठे। उन्होंने अमेरिका के साथ–साथ पूरी दुनिया को आर्थिक संकट में डाल दिया। लगभग चार महीनों की बमबारी के बाद ईरान 17 जून को 60 दिनों के युद्धविराम के साथ होर्मुज खोलने पर सहमत हुआ था। इसी दौरान उसके परमाणु निरस्त्रीकरण के साथ–साथ जिहादी गुटों का समर्थन बंद करने पर बातचीत होनी थी, लेकिन मामला होर्मुज किसकी निगरानी और नियंत्रण में रहे, इसी पर अटका रहा और युद्धविराम 20 दिनों के भीतर ही टूट गया। इस बार ट्रंप की 13 दिनों की बमबारी के बावजूद ईरान ने होर्मुज नहीं खोला। उलटे यमन के हाउती विद्रोहियों से लाल सागर के रास्ते जाने वाले सऊदी तेल टैंकरों पर भी हमले कराने शुरू कर दिए। लिहाजा पश्चिमी एशिया से गुजरने वाले दोनों समुद्री व्यापार मार्ग बंद हो गए हैं। इन्हें खोलने के लिए एक बार फिर युद्धविराम की बातें हो रही हैं, जिन्हें लेकर ट्रंप आश्वस्त लगते हैं। इस बार ईरान और अमेरिका के बीच सीधी बातचीत नहीं हो रही है। ईरान और ओमान आपस में तय कर रहे हैं कि व्यापारिक यातायात खुला रखने के लिए होर्मुज का प्रबंधन कैसे हो? दोनों के बीच यातायात के एक नए मार्ग पर सहमति भी बनी है, जिसके प्रवेश पर ईरान का नियंत्रण रहेगा और निकास पर ओमान का। इसका प्रविधान पिछली सहमति के पांचवें बिंदु में भी था, परंतु ट्रंप को ईरान के नियंत्रण वाली बात नहीं भाई और सहमति टूट गई थी।

एशिया में बदल रहा शक्ति संतुलन, क्या अमेरिका के भरोसे से आगे बढ़कर अपनी सुरक्षा संभालेंगे भारत जैसे देश?

❍ दशकों तक एशिया की सुरक्षा में अमेरिका की केंद्रीय भूमिका रही, लेकिन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं ने समीकरण बदल दिए हैं। जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देश रक्षा सहयोग बढ़ा रहे हैं। अमेरिका की प्रतिबद्धताओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में क्या एशिया अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद संभालने की दिशा में बढ़ रहा है और क्या इससे क्षेत्र में स्थिरता आएगी या हथियारों की होड़ और तेज होगी?

जेनिफर कवानाघ

एशिया में दशकों तक अमेरिका की केंद्रीय भूमिका रही है। लेकिन अब चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं ने पूरे सुरक्षा ढांचे को बदलना शुरू कर दिया है। जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देश पहले की तुलना में एक–दूसरे के साथ रक्षा सहयोग बढ़ा रहे हैं। इसका सीधा संकेत यह है कि एशिया में अब सुरक्षा के नए समीकरण बन रहे हैं। अमेरिका की भूमिका खत्म नहीं हुई है, लेकिन उसके सहयोगी देश अपनी सुरक्षा के लिए पहले से ज्यादा खुद तैयारी करते दिखाई दे रहे हैं। यह बदलाव केवल सैन्य ताकत का मामला नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में पूरे एशिया के रणनीतिक ढांचे को प्रभावित कर सकता है।

चीन की गतिविधियों ने पड़ोसी देशों की चिंता क्यों बढ़ाई?

पिछले कुछ हफ्तों में चीन ने ताइवान के पूर्वी तट तक अपनी समुद्री गश्त का विस्तार किया है। इससे यह संकेत गया है कि जरूरत पड़ने पर वह पूरे ताइवान की समुद्री घेराबंदी करने की क्षमता दिखाना चाहता है। चीन ने जापान पर सैन्य, व्यापार और कूटनीतिक दबाव भी बढ़ाया है। इसके साथ ही उसने पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। चीन की लगातार बढ़ती सैन्य क्षमता ने क्षेत्र के दूसरे देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर किया है। यही वजह है कि एशिया में अलग–अलग देशों के बीच रक्षा साझेदारी तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है।

जापान अपनी सुरक्षा नीति में इतना बड़ा बदलाव क्यों कर रहा है?

जापान ने ऑस्ट्रेलिया, फिलीपीन और भारत के साथ अपने रक्षा संबंध मजबूत किए हैं। दक्षिण कोरिया के साथ भी रक्षा सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा चल रही है। इससे जापान की सुरक्षा नीति में आए बदलाव का अंदाजा लगाया जा सकता है। लंबे समय से रक्षा उपकरणों के निर्यात पर लागू पाबंदियों को खत्म करने के बाद जापान अब दक्षिण कोरिया की तरह क्षेत्रीय हथियार आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह बदलाव बताता है कि जापान अब केवल अपनी सुरक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

ऑस्ट्रेलिया और दूसरे देश किस तरह तैयारी कर रहे हैं?

ऑस्ट्रेलिया भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटा है। उसने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों के साथ नए समझौते किए हैं। इनमें फिजी के साथ पारस्परिक रक्षा संधि भी शामिल है। दूसरी ओर, जापान, फिलीपीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग मजबूत हो रहा है। भारत भी इस बदलते क्षेत्रीय समीकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन देशों के बीच बढ़ता सहयोग इस बात का संकेत है कि एशिया के देश सुरक्षा की जिम्मेदारी को आपस में बांटने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था बनने की संभावना दिखती है, जिसमें किसी एक देश पर पूरी तरह निर्भरता कम हो।

ट्रंप की वापसी के बाद अमेरिका को लेकर सवाल क्यों उठे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद एशिया में अमेरिका की सुरक्षा प्रतिबद्धता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आशंका यह है कि अगर अमेरिका पहले की तरह क्षेत्रीय सुरक्षा में सक्रिय नहीं रहा, तो चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है। ट्रंप यह स्पष्ट कर चुके हैं कि अमेरिका के सहयोगी देशों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी पहले की तुलना में ज्यादा खुद उठानी होगी। हालांकि एशिया के लिए अमेरिका की सैन्य उपस्थिति में कटौती की कोई ऐसी योजना सामने नहीं आई है, लेकिन अमेरिकी नीति में बदलाव की आशंका ने उसके सहयोगी देशों को पहले से ज्यादा एकजुट होने के लिए प्रेरित किया है।

क्या अमेरिका अब एशिया की सुरक्षा का पूरा जिम्मा उठा सकता है?

अमेरिका पर दुनिया के कई हिस्सों में सैन्य और रणनीतिक जिम्मेदारियां हैं।

छात्र आंदोलन अलग, आक्रोश एक लेकिन सरकारों के रवैये में कितना फर्क?

❍ दिल्ली और रांची में छात्र आंदोलन के मुद्दे अलग हैं, लेकिन युवाओं की बेचैनी एक जैसी है। दिल्ली में सवाल राष्ट्रीय परीक्षा–भर्ती व्यवस्था का है, तो रांची में झारखंड की भर्ती प्रक्रिया का। फर्क सरकारों के रवैये और राजनीतिक संदर्भ का भी है। लेकिन दोनों जगह मूल सवाल युवाओं के भविष्य और व्यवस्था पर भरोसे का है।

सत्येंद्र प्रताप सिंह

देश में छात्र आंदोलन कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब एक ही समय में दिल्ली और रांची जैसे दो शहरों में युवा सड़क पर उतरते हैं, तो सवाल केवल उनकी मांगों का नहीं रहता। सवाल यह भी बनता है कि दो अलग–अलग सरकारें छात्रों के आक्रोश को किस नजर से देखती हैं और उनकी शिकायतों का समाधान किस तरीके से करती हैं?

दोनों आंदोलनों के मुद्दे बिल्कुल समान नहीं हैं। दिल्ली का आंदोलन व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ में परीक्षा, भर्ती, रोजगार और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवाल उठा रहा है। वहीं रांची का आंदोलन मुख्य रूप से झारखंड की प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर है। लेकिन दोनों जगह एक बात समान है कि छात्रों को अपनी मेहनत और भविष्य पर भरोसा नहीं रह गया है।

दिल्ली में सवाल व्यवस्था का

दिल्ली देश की राजधानी है। यहां होने वाला कोई भी छात्र आंदोलन आसानी से राष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया, भर्ती में देरी, परिणामों को लेकर विवाद और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता जैसे सवाल जब दिल्ली में उठते हैं तो उनका असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहता। यहां छात्रों का सवाल मूलतः यह है कि यदि देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवा अपने जीवन के कई वर्ष लगा रहे हैं, तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और भरोसेमंद क्यों नहीं हो सकती? दिल्ली का आंदोलन इसलिए सिर्फ किसी एक परीक्षा का मामला नहीं रह जाता। वह राष्ट्रीय रोजगार व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल बन जाता है।

रांची में सवाल सीधे भर्ती व्यवस्था पर

रांची की तस्वीर कुछ अलग है। यहां छात्रों का असंतोष झारखंड की भर्ती परीक्षाओं और JPSC-JSSC की कार्यप्रणाली को लेकर अधिक केंद्रित है। छात्रों की शिकायतें परीक्षा प्रक्रिया, कथित अनियमितताओं, परिणाम और भर्ती को लेकर हैं। उनका तर्क है कि जब एक अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करता है और परीक्षा व्यवस्था पर ही सवाल खड़े हो जाएं तो नुकसान केवल एक परीक्षा का नहीं होता। रांची का आंदोलन इसलिए राज्य की भर्ती व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बन गया है।

सबसे बड़ा फर्क– राजनीतिक संदर्भ

दिल्ली और रांची के आंदोलनों के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर उनके राजनीतिक संदर्भ का है। दिल्ली में आंदोलन का निशाना केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा–भर्ती व्यवस्था बनती है। रांची में राज्य सरकार से सीधे जवाब मांगा जाता है। यहीं से राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का फर्क भी सामने आता है।

विपक्ष के लिए दिल्ली का छात्र आंदोलन केंद्र सरकार की नीतियों पर हमला करने का अवसर बन सकता है, जबकि रांची का आंदोलन राज्य सरकार की प्रशासनिक क्षमता और जवाबदेही का सवाल बन जाता है। लेकिन छात्रों की नजर में शायद यह राजनीतिक विभाजन उतना महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें नौकरी चाहिए और वह भी ऐसी प्रक्रिया से जिसमें उन्हें भरोसा हो।

छात्र आंदोलन को राजनीतिक चश्मे से कब तक?

भारत में छात्र आंदोलन शुरू होते ही एक सवाल उठता है इसके पीछे कौन है? यह सवाल कभी–कभी जरूरी हो सकता है, लेकिन हर आंदोलन को केवल राजनीतिक साजिश या विपक्ष की रणनीति मान लेना मूल समस्या से बच निकलने का रास्ता भी बन सकता है। यदि हजारों छात्र परीक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं तो पहले यह देखना चाहिए कि उनकी शिकायतों में कितनी सच्चाई है। यदि शिकायत सही है तो समाधान आंदोलनकारियों की राजनीतिक पहचान देखने से नहीं, व्यवस्था को ठीक करने से निकलेगा।

दिल्ली और रांची की साझा कहानी

दिल्ली की सड़क हो या रांची की, छात्र अपने घर से आंदोलन करने नहीं निकलता। वह तब निकलता है जब उसे लगता है कि उसकी आवाज सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से नहीं सुनी जा रही।

यहां सरकारों के लिए एक बड़ा सबक है।

युवा केवल रोजगार नहीं मांग रहा। वह निष्पक्ष अवसर मांग रहा है। वह चाहता है कि परीक्षा समय पर हो, प्रश्नपत्र सुरक्षित हो, परिणाम समय पर आए, शिकायतों की सुनवाई हो और पूरी भर्ती प्रक्रिया राजनीतिक प्रभाव से मुक्त दिखाई दे।

आंदोलन खत्म करना आसान, भरोसा लौटाना मुश्किल

सरकारें चाहें तो किसी आंदोलन को बातचीत, प्रशासनिक कार्रवाई या कानूनी कदमों से कुछ समय के लिए रोक सकती हैं। लेकिन यदि मूल शिकायत का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन फिर लौट सकता है। यही वजह है कि दिल्ली और रांची दोनों जगह सरकारों के सामने असली चुनौती भीड़ को नियंत्रित करना नहीं, भरोसे के संकट को दूर करना है।

आज का युवा सोशल मीडिया के दौर का युवा है। वह घटनाओं की तुलना करता है, सवाल पूछता है और अलग–अलग राज्यों में सरकारों के रवैये को एक साथ देखता है। इसलिए किसी एक राज्य में की गई कार्रवाई दूसरे राज्य के युवाओं के लिए भी उदाहरण बनती है।

आखिर फर्क क्या है?

दिल्ली का आंदोलन राष्ट्रीय परीक्षा और रोजगार व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। रांची का आंदोलन झारखंड की भर्ती व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा सवाल है। लेकिन दोनों के बीच सबसे बड़ा साझा सूत्र है– युवा और उसका भविष्य। और यही वह बिंदु है जहां राजनीति को पीछे हटकर प्रशासन को आगे आना होगा। क्योंकि छात्र आंदोलन को केवल यह कहकर खत्म नहीं किया जा सकता कि इसके पीछे कौन है। अंततः सवाल यही रहेगा कि परीक्षा हमारी, मेहनत हमारी, भविष्य हमारा तो व्यवस्था की जवाबदेही किसकी?

मेष :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मानसून का बदलना अब एक स्थायी संकट, जलवायु परिवर्तन की कहानी भी छिपी

❍ इस साल के मानसून में जलवायु परिवर्तन की कहानी छिपी है। यह बताती है कि अब मानसून का स्वरूप स्थायी रूप से बदल चुका है।

सीमा जावेद

मजबूत होते अल–नीनो के कारण सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बावजूद, जुलाई में बारिश का लक्ष्य पार हो गया। वहीं, गुजरात से लेकर असम तक इस साल फिर बरसात के मौसम ने तबाही मचा दी। मानसूनी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के कारण असम, गुजरात, केरल, कर्नाटक, ओडिशा और जम्मू–कश्मीर जैसे राज्यों में लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। दूसरी तरफ झारखंड सूखे की मार से जूझ रहा है। इससे यह साफ हो गया है कि जलवायु परिवर्तन भारत के मानसून को बदल रहा है। असम, महाराष्ट्र, गुजरात और हिमाचल प्रदेश जैसे इलाकों में बादल फटने की जानलेवा घटनाओं, शहरों में जल–जमाव और भूस्खलन का सिलसिला जारी रहा है।

अगस्त और सितंबर, 2025 में, पूर्वी पाकिस्तान और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर बाढ़ आई थी। यह बाढ़ मुख्य रूप से भारत के हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में हुई भारी मानसूनी बारिश के कारण आई थी। इसके बाद अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) की वजह से भारतीय अधिकारियों को भारत और पाकिस्तान, दोनों के पंजाब में बहने वाली कई नदियों पर बने बांध खोलने पड़े, जिससे निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 1,400 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए, और भारत के पंजाब राज्य में भी 1,400 गांव प्रभावित हुए।

इस साल भी पिछले साल की तरह ही इस मानसून में बादल फटने की नौ घटनाएं, अचानक बाढ़ की 19 घटनाएं सामने आई हैं। बादल फटने से प्रभावित चार बड़े इलाकों में 120 सड़कें बंद हो गई हैं और पीने के पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। जम्मू–कश्मीर में

भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण लोगों और पर्यटकों को यात्रा न करने की सलाह दी गई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर जैसे उत्तरी राज्यों में लगभग हर साल ही अचानक आने वाली बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं होती रहती हैं। दूसरी तरफ, झारखंड में मानसून में 40–79 फीसदी की कमी के चलते खरीफ फसलों की बुआई और रोपाई पर असर पड़ा है। बारिश कम होने से धान और दूसरी फसलों के उत्पादन में कमी आ सकती है। ऐसे में, सरकार ने किसानों को बाजरा बोने की सलाह दी है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन की वजह से गर्मी हद पार करती जा रही है। साथ ही, वातावरण में नमी बेहिसाब ढंग से बढ़ रही है। ऐसे में, मौसम का अंदाज बदल रहा है। पहले गर्मियों में तेज लू चलती थी। पसीना आता था, लेकिन जल्दी सूख जाता था। अब गर्मी के साथ उमस भी बढ़ गई है, जिससे शरीर को ज्यादा घुटन और बेचौनी महसूस होती है। अब पसीना सूखता नहीं और न ही शरीर ठंडा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पहले मानसून में कई दिनों तक हल्की या मध्यम बारिश होती थी। अब स्थिति बदल रही है। बारिश वाले दिनों की संख्या घट रही है, पर जब बारिश होती है, तो बहुत कम समय में अत्यधिक मात्रा में पानी बरसता है। इसका कारण गर्म होती हवा और समुद्र हैं, जो वातावरण में पहले से अधिक नमी जमा कर रहे हैं। यही नमी बादलों को बेहद भारी बना देती है। इसका एक कारण नदी घाटियों के किनारे बहुत ज्यादा खनन कार्य करना भी है, जिससे गाद जमा होने की समस्या बढ़ी और नदी की पानी ले जाने की क्षमता कम हो गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. के जे रमेश के अनुसार, अब मानसून का स्वरूप स्थायी रूप से बदल चुका है। चाहे अल–नीनो हो या न हो, भविष्य में बारिश कम समय में और अधिक तीव्रता के साथ होने की संभावना बढ़ती जाएगी। उन्होंने कहा कि अरब सागर के रिकॉर्ड स्तर तक गर्म होने से उत्तर–पश्चिम भारत में भी बारिश का पैटर्न बदल रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत के कई हिस्सों में मौसम में उतार–चढ़ाव अनियमित होते जा रहे हैं। सूखे या अल–नीनो के बावजूद, कुछ जगहों पर कई दिनों तक भारी बारिश (सामान्य से कई गुना ज्यादा) होती है।

ना ईनो, ना भिगोने का झंझट! सूजी को दही में घोलकर बनाएं जालीदार उत्तपम, देखें रेसिपी

❍ नाश्ते में कुछ हेल्दी और टेस्टी खाना है, तो सिर्फ 10 मिनट में बनने वाला ये सूजी का उत्तपम एक बार जरूर ट्राई करें। बहुत ही जालीदार और सॉफ्ट बनता है। साथ ही इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत भी नहीं पड़ती।

सुबह का नाश्ता हो या शाम की हल्की भूख, कुछ ऐसा खाने का मन होता है जो टेस्टी भी हो और जल्दी बन भी जाए। सूजी से बनने वाली एक ऐसी ही डिश की रेसिपी आज हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं, जिसे बनाने में मुश्किल से 10–15 मिनट ही लगेंगे और पहले से भी कोई तैयारी कर के रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये डिश है, सूजी यानी रवा का उत्तपम, जो इतना जालीदार और स्वादिष्ट बनता है कि खा कर मजा आ जाएगा। इसे फर्मेंट करने के लिए रखने की जरूरत नहीं है और बहुत कम चीजों में आप इसे तैयार कर सकते हैं। बच्चे अक्सर खाने में कुछ बढ़िया की डिमांड करते रहते हैं, ऐसे में उनके लिए ये डिश एकदम परफेक्ट रहने वाली है। इस प्रॉपर रेसिपी को फॉलो करने पर आप पहली बार में ही बिल्कुल सॉफ्ट, जालीदार सूजी का उत्तपम बना पाएंगे। आइए जानते हैं–

सूजी का उत्तपम बनाने के लिए सामग्री

सॉफ्ट और जालीदार सूजी का उत्तपम बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी वो हैं– सूजीध् रवा (1 कप), दही (आधा कप), पानी (जरूरत के हिसाब से), स्वादानुसार नमक, बेकिंग सोडा (चुटकी भर), बारीक कटा हुआ प्याज और टमाटर, हरी मिर्च, ताजा हरा धनिया पत्ता, तेलध्घीध्बटर (सेंकने के लिए) और टोमैटो केचअप या चटनी साथ में सर्व करने के लिए।

सिर्फ 10 मिनट में बनाएं सूजी का ये टेस्टी नाश्ता

सुबह नाश्ते में कुछ हेल्दी, टेस्टी और फटाफट बनाना हैय तो ये सूजी का उत्तपम परफेक्ट ऑप्शन है। इसे बनाने के लिए आपको बारीक वाली सूजी लेनी है। अगर सूजी थोड़ी मोटी है तो एक बार मिक्सर में चलाकर उसे बारीक कर लें। अब एक मिक्सर में बारीक वाली सूजी, दही, स्वादानुसार नमक और चुटकी भर बेकिंग सोडा डालकर पीस लें। साथ में आप थोड़ा सा पानी भी मिला सकते हैं, ताकी बैटर ज्यादा गाढ़ा ना हो। इन सभी चीजों को पीसकर एक मीडियम कंसिस्टेंसी वाला बैटर बनाकर तैयार कर लें।

अब गैस पर एक तवा गर्म करें और उसपर अच्छे से तेल, बटर या घी लगा लें। फिर किसी चमचे की मदद से उत्तपम का बैटर तवे पर डालें और गोल शेप में फैला लें। ध्यान रहे, इसे आपको ज्यादा पतला नहीं फैलाना है। उत्तपम थोड़ा मोटा ही रहता है। इसके ऊपर आप बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, हरा धनिया, हरी मिर्च और अपनी कोई भी मनपसंद सब्जी एड कर सकते हैं। अब इसे एक तरफ से अच्छी तरह सिकने दें, फिर पलटकर दूसरी साइड भी सेंक लें। जब ये दोनों तरफ से हल्का सुनहरा हो जाए, तो समझ लें उत्तपम बनकर तैयार है।

सर्विंग टिप– गरमा–गरम रवा उत्तपम को आप टोमैटो केचअप या फिर नारियल की चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं। बहुत ही अच्छा टेस्ट आता है।

दूध-खीर बर्तन की तली में लगकर जल गया तो फेंके नहीं! इन चीजों से दूर करें जले की गंध

❍ दूध उबालते समय या खीर बनाते समय कई बार बर्तन में नीचे की तरफ से जल जाती है। ऐसे जले हुए दूध या खीर को फेंके नहीं सही तरीका इस्तेमाल कर दोबारा से यूज करने लायक बना दें।

दूध उबालते समय या कई बार खीर, सेंवई बनाते समय तली में लग जाता है। जिससे जले की बदबू आने लगती हैं और पूरा दूध खराब हो जाता है। अगर खीर या सेंवई तली में लगकर जल गई है तो उसे कोई खाना नहीं चाहता वहीं दूध भी जल गया तो उसे भी कोई नहीं पीना चाहता। ऐसे में इसे फेंकना ही आखिरी रास्ता बचता है। लेकिन दूध, खीर या सेंवई को हम यूं ही नाली में तो बहा नहीं सकते। इसलिए कुछ छोटे ट्रिक अपनाकर जरूर देख लें। कई बार ये ट्रिक ही आपके जले दूध ा की महक को खत्म करने में मदद करेंगी और आपको दूध या दूध से बनी किसी चीज को फेंकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अगर खीर या सेंवई जल जाए तो क्या करें

अगर आप दूध से कुछ बना रही हैं जैसे खीर, सेंवई या दलिया और तली में दूध जलकर लग गया है तो सबसे पहले ऊपर के बचे हुए दूध, खीर को दूसरे बर्तन में निकाल लें। जिससे कि नीचे आ रही महक ऊपर ना भर जाए।

अब जिस खीर या सेंवई को अलग किया है उसमे एक ब्रेड के 4 टुकड़े करके आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आधे घंटे बाद ब्रेड को निकालकर अलग कर दें।

अब थोड़ा सा गर्म दूध लेकर उसमे एक चम्मच चीनी डालकर बची हुई खीर या सेंवई में डाल दें।

तीन से चार हरी छोटी इलायची के दाने को कूटकर पीसकर मिला दें। अगर मात्रा ज्यादा है तो ज्यादा इलायची लें।

बारिश में भारत की इन 5 जगहों पर जाना पसंद करते हैं लोग, वाटरफॉल के लिए हैं फेमस

❍ भारत की कुछ जगह वाटरफॉल देखने के लिए फेमस हैं। बारिश के मौसम में इन वाटरफॉल को देखने के लिए लोग दूर–दूर से आते हैं। आपको भी इनके बारे में जरूर जाना चाहिए।

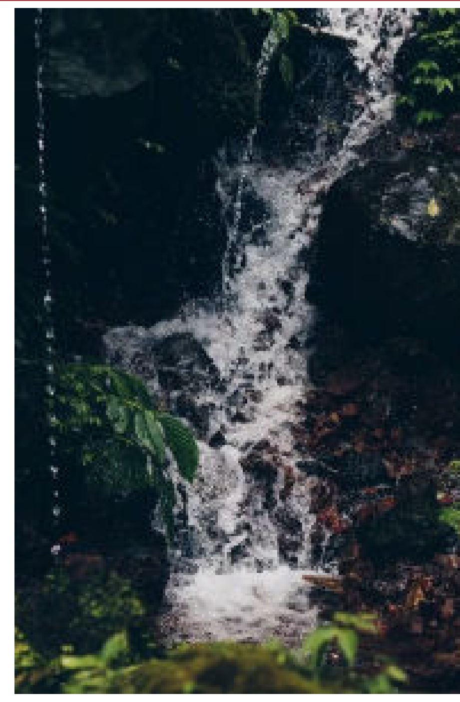

बारिश के मौसम में घूमना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, लेकिन फिर भी लोग इस सुहावने मौसम को एंजॉय करने के लिए घूमने जाते हैं। मानसून में हर जगह की खूबसूरती काफी ज्यादा बढ़ जाती है। भारत में कई जगह ऐसी हैं जहां लोग स्पेशली बारिश के मौसम में वाटरफॉल देखने के लिए ही जाते हैं। वैसे तो भारत की कई जगहों पर सुंदर वाटरफॉल मौजूद हैं लेकिन यहां हम भारत के 5 फेमस वाटरफॉल्स के बारे में बता रहे हैं, जहां लोग बारिश के दिनों में जरूर जाते हैं।

1) दूधसागर वाटरफॉल्स, गोवा

गोवा–कर्नाटर बॉर्डर पर बना दूधसागर वॉटरफॉल मानसून के समय पर पहाड़ों से बहुत तेजी से गिरता है। जिसकी वजह से ये दूध की धार जैसा दिखाई देता है और इसी वजह से इसका नाम दूधसागर पड़ा। यह फॉल मांडोवी नदी के ऊपरी फ्लो से जुड़ा है और घने जंगलों से घिरा हुआ है। बारिश के समय इसका तेज फ्लो सुंदर दिखता है लेकिन इस समय पर फॉल के आसपास घूमते समय स्थानीय सुरक्षा नियमों को फॉलो करना जरूरी है।

2) शिवनसमुद्र वाटरफॉल्स, कर्नाटक

शिवनसमुद्र कावेरी नदी पर बना एक शानदार ट्विन वॉटरफॉल है। यहां नदी दो प्रमुख धाराओं में बंटकर गगनचुक्की और भराचुक्की वाटरफॉल बनाती है। बारिश के समय पर इसके आसपास की हरियाली झरने की खूबसूरती को और बढ़ा देती है।

3)केम्प्टी वाटरफॉल्स, उत्तराखंड

मसूरी के पास स्थित केम्प्टी फॉल्स उत्तराखंड के सबसे फेमस झरनों में से एक है। यह मसूरी से लगभग 15 किमी दूर है, पहाड़ों और हरियाली से घिरा हुआ ये झरना दिखने में काफी अच्छा लगता है। झरने के नीचे नहाने के लिए एक खास जगह है। झरने की वजह से इसके आसपास का एरिया भी गीला रहता है। भारी बारिश के दौरान फिसलन और तेज पानी के कारण सावधानी जरूरी है।

4) चित्रकोट वाटरफॉल्स, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बस्तर में स्थित चित्रकोट वाटरफॉल इंद्रावती नदी पर बना है। इसे अक्सर श्भारत का मिनी नियाग्राश कहा जाता है। जुलाई से अक्टूबर के बीच, खासकर बारिश के दौरान झरना अपने विशाल और शक्तिशाली रूप में दिखाई देता है।

5) बारेहीपानी वाटरफॉल्स, ओडिशा

बारेहीपानी जलप्रपात ओडिशा के मयूरभंज जिले के सिमिलिपाल इलाके में स्थित है। ओडिशा पर्यटन के मुताबिक इसकी ऊंचाई लगभग 399 मीटर है, जिससे यह भारत के सबसे ऊंचे फॉल्स में शामिल है।

बिना केमिकल, सिर्फ 3 चीजों से बनाएं चावल का फेसवॉश! नेचुरली ग्लो करेगा चेहरा

❍ चेहरे को क्लीन करने के लिए कोई जेंटल और केमिकल फ्री ऑप्शन ढूंढ रहे हैं, तो ये राइस ग्लो फेसवॉश बनाकर जरूर ट्राई करें। सिर्फ 3 चीजों से बनने वाला ये फेसवॉश स्किन को ग्लोइंग और सॉफ्ट बनाने में मदद करता है और इसे बनाना भी काफी आसान है।

स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रखने के लिए सबसे पहला और जरूरी स्टेप होता है, क्लींजिंग। चेहरे पर जमी ध ूल–मिट्टी, पसीना, एकस्ट्रा ऑयल और गंदगी को रिमूव करने के लिए फेसवॉश का इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो मार्केट में तरह–तरह के फेसवॉश मिलते हैं, लेकिन अगर आप केमिकल फ्री ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो चावलों से फेसवॉश बनाकर ट्राई कर सकते हैं। कोरियन स्किनकेयर में चावल का इस्तेमाल खूब किया जाता है, क्योंकि ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं और स्किन को नेचुरल ग्लो देने का काम करते हैं। आप भी अगर इन्हें अपने स्किनकेयर रूटीन में शामिल करना चाहते हैं, तो ये क्प्ल फेसवॉश बनाकर तैयार कर सकते हैं। ये फेशियल स्किन को डीप क्लीन करने, ग्लोइंग और सॉफ्ट बनाए रखने में मदद करता है।

केमिकल फ्री राइस फेसवॉश बनाने के लिए क्या चाहिए?

अगर आप अपने चेहरे को क्लीन करने के लिए कोई केमिकल फ्री और किफायती ऑप्शन ढूंढ रहे हैं, तो ये राइस फेसवॉश एक बार जरूर ट्राई करें। ये स्किन को डीप क्लीन तो करता ही है, साथ ही उसे सॉफ्ट स्मूद और ग्लोइंग बनाए रखने में भी मदद करता है। इसे बनाने के लिए आपको बस दो चम्मच चावल, शहद और थोड़ा सा गुलाब जल लेना है। ये तीनों ही चीजें स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद हैं और चेहरे को जेंटली क्लीन करने में मदद करती हैं।

सिर्फ 3 चीजों से बनाएं ये राइस ग्लो फेसवॉश

ये क्प्ल राइस फेसवॉश बनाने के लिए सबसे पहले दो चम्मच चावलों को एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। आपको बासमती चावल नहीं लेने हैं, बल्कि मोटे वाले अनपोलिश्ड राइस का इस्तेमाल करना है। इन्हें लगभग 20–25 मिनट के लिए भिगोकर रख दें, ताकि ये फूलकर सॉफ्ट हो जाएं।

अब इन चावलों को पानी सहित एक मिक्सर में अच्छा तरह ब्लेंड कर लें। फिर एक छलनी की मदद से एक साफ बर्तन में छान लें। अब इस चावल के पानी में आपको थोड़ा सा शहद और गुलाबजल एड करना है। बस आपका केमिकल फ्री राइस फेसवॉश बनकर तैयार है। अगर आपको पिंपल या एक्ने की समस्या है, तो शहद की जगह आप एलोवेरा जेल इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे इस्तेमाल करना है ये डीआईवाई राइस ग्लो फेसवॉश

सबसे पहले चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। फिर थोड़ा सा राइस ग्लो फेसवॉश ले कर चेहरे पर 1–2 मिनट के लिए मसाज करें। अब सादे पानी से चेहरा धो लें और एक अच्छा मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

कितने दिनों तक स्टोर कर सकते हैं?

चूंकि ये फेसवॉश पूरी तरह से नेचुरल है, इसलिए इसे 1–2 दिनों तक इस्तेमाल करना ही सही रहता है। साथ ही इसे हमेशा फ्रिज में स्टोर का के रखें। अगर आप चाहते हैं कि फेसवॉश थोड़े लंबे समय तक फ्रेश रहे, तो इसके लिए आप मार्केट से नेचुरल फेसवॉश बेस ले कर इसमें मिला सकते हैं।

सावन में जलेबी खाने का है मन? 30 मिनट में बनाएं करारी जलेबी, शेफ कुणाल कपूर की सिंपल रेसिपी

❍ सावन के महीने में अगर आपको मीठे की क्रेविंग हो रही है, तो जलेबी बनाकर खाएं। शेफ कुणाल कपूर ने क्रिस्पी–करारी जलेबी बनाने की सरल रेसिपी शेयर की है।

जलेबी–दही खाना ज्यादातर लोगों को पसंद होता है और जब मीठे की क्रेविंग होती है, तब भी जलेबी खाना अच्छा लगता है। अगर आपका मन भी अचानक जलेबी खाने का कर रहा है, तो बाजार भागने की जरूरत नहीं है। घर पर सिर्फ आधे घंटे में आप जलेबी बनाकर तैयार कर सकते हैंऔर हलवाई जैसी करारी जलेबी का मजा ले सकते हैं। शेफ कुणाल कपूर ने जलेबी बनाने की सिंपल रेसिपी शेयर की है, चलिए आपको स्टेप बाय स्टेप जलेबी बनाने का पूरा तरीका बताते हैं।

जलेबी बनाने के लिए इंग्रेडिएंट्स

बैटर के लिए :–

मैदा : 2 कप 250 ग्राम

पानी : 11/4 कप 300 मिलीलीटर

तेल : तलने के लिए

चाशनी के लिए :–

चीनी : 4 कप 1 किलोग्राम

पानी : 11/4 कप 300 मिलीलीटर

केसर : कुछ धागे

बैटर करें तैयार

2 कप मैदा को बड़े पारात में लें और उसमें पानी डालकर घोल बनाएं। मैदे को हाथों से ऐसे घोल लें, जिससे इसमें बबल्स न बनें। मैदा जब अच्छे से घुल जाएगा, तब मेल्ट होने जैसा लगेगा। जलेबी बनाने के लिए मैदे को 1 दिन या रात पहले ही घोलकर रखें। ऐसा करने से मैदे में खमीर उठाने के लिए समय मिल जाएगा और आपकी जलेबी करारी बनेंगी। जब मैदा बैटर पहले से बना होगा और खमीर उठा रहेगा, तब आपको जलेबी बनाने में सिर्फ आधे घंटे का समय लगेगा।

जलेबी के लिए पहले बनाएं चाशनी

सबसे पहले पैन या भगोने में 4 कप चीनी ले लीजिए और पानी डालकर गैस जला दें। जब चीनी थोड़ी घुलने लगे, तब इसमें केसर के धागे डाल दीजिए। अब चाशनी को थोड़ा पकने दें, जिससे चीनी पूरी तरह से घुल जाए। बस फिर आपकी चाशनी बनकर तैयार हो जाएगी।

जलेबी का बैटर शीशी में रखें

हलवाई कपड़े में बैटर को रखकर जलेबी बनाते हैं लेकिन अगर आप कपड़े से नहीं बना पा रहे हैं, तो सॉस की पुरानी बोतल लें। उसमें बैटर को भर लें और छेद से जलेबी को आसानी से गिरा सकते हैं। अगर आप कपड़े से कर सकते हैं, तो वही तरीका अपनाएं।

जलेबी बनाकर करें तैयार

अब कड़ाही में तेल गर्म करें और जलेबी के शेप में बनाते हुए तलें। जब जलेबी तलकर गोल्डन कलर की होने लगे, तब उसे छानकर निकाल लें। दूसरी तरफ चाशनी को हल्का गर्म करें और तलकर जलेबी को चाशनी में डुबो दें। 5–7 मिनट बाद चाशनी से जलेबी को निकालकर प्लेट में निकाल लें।

कुणाल के टिप्स एंड ट्रिक्स

जलेबी बनाने के लिए आपको मैदा को फर्मेंट करना जरूरी है। अगर उसमें नेचुरल तरीके से खमीर उठ जाता है, तो ठीक है वरना आधा चम्मच बेकिंग सोडा या पाउडर डाल दें।

इंस्टेंट जलेबी बनानी है, तो आप मैदे में एक सैशे ईनो डाल दें। ईनो से मैदे में फौरन खमीर उठ जाएगा और इसे बनाकर रेस्ट के लिए नहीं रखना होगा।

चाशनी ज्यादा गाढ़ी नहीं होनी चाहिए। अगर गाढ़ापन आ जाए, तो उसमें थोड़ा पानी डालकर फिर से गर्म कर लें। पतली चाशनी जलेबी में आसानी से घुसेगी।

टाइफाइड में ना करें लापरवाही, दवाई के अलावा इन 5 टिप्स को अपनाकर करें खुद की देखभाल

❍ टायफाइड एक बैक्टीरियल इंफेक्शन है जो दूषित खाने और पीने से होता है। बारिश में मौसम में ज्यादातर लोग इसका शिकार होते हैं। यहां हम सेल्फ केयरिंग के लिए कुछ टिप्स शेयर कर रहे हैं जो आपको दवा खाने के साथ जरूर फॉलो करने चाहिए।

बारिश का सुहावना मौसम भले ही सब खूब एंजॉय करते हैं। इस मौसम का एक निगेटिव पॉइंट ये है कि इस मौसम में बीमारियों का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ जाता है। बारीश में जगह–जगह खूब पानी भर जाता है और इस गंदे पानी में मच्छर बहुत तेजी से पनपते हैं। वहीं वायरल इंफेक्शन भी बढ़ जाता है। एक बीमारी जो इस मौसम में सबसे ज्यादा कॉमन है वह टाइफाइड है। टाइफाइड एक बैक्टीरियल संक्रमण है।, जो आमतौर पर दूषित पानी या खाने से फैलता है। इसके सामान्य लक्षणों में लगातार तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, पेट दर्द, भूख कम लगना, दस्त या कब्ज शामिल है। इस बीमारी से निपटने के लिए सिर्फ दवाइयां लेना ही काफी नहीं है। बल्कि इस दौरान सही खान–पान और पर्याप्त आराम भी बेहद जरूरी है। टाइफाइड में रिकवरी को बेहतर बनाने के लिए आप डॉक्टर की सलाह के साथ कुछ सेल्फ केयर टिप्स को अपनाएं।

टाइफाइड से ठीक होने के लिए सेल्फ केयर टिप्स

1) लिक्विड का रखें ध्यान

टाइफाइड से ठीक होने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पानी के अलावा सूप, नारियल पानी, छाछ जैसी चीजों को भी पी सकते हैं। दिनभर में हर दो घंटे के गैप में कुछ लिक्विड आइटम पिएं और बिना प्यास लगे भी पानी पिएं।

2) सॉफ्ट डायट रहेगी बेहतर

टाइफाइड से निपटने के लिए हल्का, आसानी से पचने वाला और पौष्टिक खाएं। आप रिकवरी के समय के लिए दलिया, खिचड़ी जैसी चीजों को खाएं। चाहें तो रोटी के साथ लौकी, तोरई जैसी सब्जियां भी खा सकते हैं। रिकवरी फेज में इस तरह की डायट सही रहेगी।

3) खूब आराम करें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को पर्याप्त आराम देना बहुत जरूरी है।

महिमा मकवाना ने बताया कैसे मिला 'मुसाफिर कैफे', विक्रांत मैसी की जमकर की तारीफ

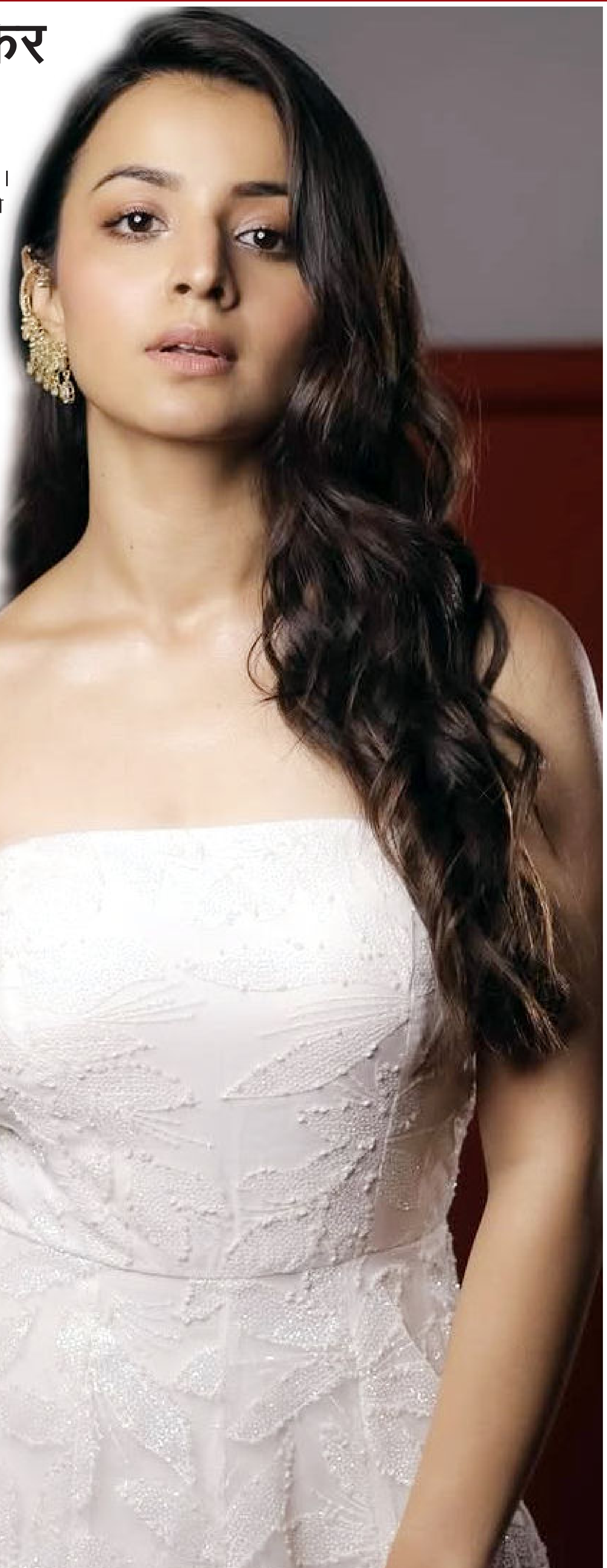

टेलीविजन के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी जो मुझे दिया है, चाहे नाम हो, शोहरत और जो भी कुछ पहचान हो, जो भी दिया है वह सब टेलीविजन ने ही दिया है। यह मेरी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा है जिसे मैं कभी नकार नहीं सकती। मुझे बहुत गर्व होता है इस बात पर कि मैं टेलीविजन से जुड़ी रही और अपने करियर की शुरुआत मैंने टेलिविजन शो से ही की है। लोग आज भी मुझे टेलीविजन की वजह से ही पहचानते हैं। यह कहना है महिमा मकवाना का जो कि श्मुसाफिर कैफेश में एक दमदार भूमिका निभा रही हैं। उनके साथ जो काम कर रहे हैं राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड से सम्मानित कलाकार विक्रांत मैसी। पत्रकारों से अपने दिल की बात को आगे साझा करते हुए हमें महिमा मकवाना बताती है कि आज भी जब मैं बाहर निकलती हूं तो लोग मुझे रचना के नाम से ही बुलाते हैं। वह मुझसे ऐसे पेश आते हैं। जैसे मैं उनके घर का ही कोई इंसान हूं और फिर कई बार मुझे हंसी आ जाती है और फिर लगता है कि टेलीविजन की जो पहुंच है, वह कभी सोच ही नहीं सकते हैं। अब जब हम काम कर रहे होते हैं तब आप सब से जुड़े रहते हैं। लेकिन आज भी दस या पंद्रह साल बाद बाहर जब मैं निकलती हूं, तुम लोग मुझे रचना के नाम से बुलाते हैं। तब मेरे दिल से एक आवाज निकलती है कि उस समय मैं सिर्फ 12 साल की थी और अब देखिए मैं 15 साल गुजर चुके हूं और 27 साल की हो चुकी हूं। इतना होने के बाद भी मैं यही कहूंगी कि टीवी जगत का धन्यवाद! आप इस सिरीज से कैसे जुड़े? ऑडिशन देना पड़ा था। हुआ यह था कि मैं कहीं किसी गांव में शूट कर रही थी। अपनी एक फिल्म के लिए और उसी रोल में रची बसी थी। ऐसे में मुझे कास्टिंग डायरेक्टर करण का फोन आया। उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ बताया नहीं और कहा लव स्टोरी है। तुम आ जाओ और लुक टेस्ट देना है। मैं पहुंच गई और लुक टेस्ट हुआ। उसके बाद फिर मुझे केमिस्ट्री टेस्ट देना था तो विक्रांत आ गए तब जाकर मालूम पड़ा कि अच्छा मेरे इस प्रोजेक्ट में मेरे साथ विक्रांत भी होने वाले हैं। यह सब पास हो जाने के बाद फिर मेरे सामने स्क्रिप्ट आई और जब स्क्रिप्ट पढ़ी तो ऐसा लगा कि शायद मुझे कुछ ऐसा ही करने की इच्छा थी। हमेशा दिल में सोच कर रखा था कि एक दिन एक ऐसा शो मुझे करना चाहिए और बस सामने आ गया नेटफ्लिक्स का शो था। और इस तरीके से मैं इस प्रोजेक्ट से जुड़ गई। आप विक्रांत के साथ काम कर रही हैं कैसा रहा एक्सपीरियंस? विक्रांत के साथ काम करने के लिए मैं हमेशा मुझे अच्छा ही लगेगा। मुझे आज भी याद है कि मुझे एक बार फोन आया था बचपन में और कहा गया कि कुछ दो–तीन दिन का काम है। उस सेट पर चली जाओ यह बालिका वधू का सेट था। मैं वहां पर पहुंची 8 से 10 साल की मुश्किल से रही होंगी। मैंने काम करना शुरू किया और मेरे डायरेक्टर ने बड़े जोर से डांट दिया। कहां से ले आए इस लड़की को निकालो उसको काम करना नहीं आता। मैं बहुत डर गई थी। मुझे तब भी याद है की एक बहुत दयालु सा कोई शख्स था। जिसने मुझसे बहुत अच्छे से बातचीत की थी उसके बाद आज जब मैं मुसाफिर कैफे में काम करने गई तब मुझे याद आता है कि यह दयालुता शख्स जो रहा है, वह विक्रांत मैसी है। वह इतने अच्छे कलाकार हैं। वह इतने सादगी पूर्ण कलाकार है। इतने दयालु और इतने अच्छे स्वभाव के हैं आपको उनके साथ काम करना अच्छा ही लगता है? ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि यह व्यक्ति इतना बड़ा कलाकार है। हर रोल में इतना फिट रह चुका है। वह आपको महसूस ही नहीं कराएंगे। और वैसे भी एक्टिंग जो है, वह एक्शन रिएक्शन का काम है तो वह इतना अच्छे से एक्ट करते हैं कि आपको उस पर रिऐक्ट करने में मजा आ जाता है। बॉलीवुड की अन्य लेटेस्ट खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें ऐसे में जब आप उसी दयालु शख्स से अपनी एक वेब सीरीज के सूट के लिए मिलती है तब ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री कैसे रही? विक्रांत इतने अच्छे इंसान हैं कि उनके साथ ऑफ स्क्रीन भी बात करने में बहुत मजा आता है। सबसे अच्छी बात है कि हम तीनों कलाकारों को अगर आप देखेंगे तो हम तीनों आपस में बहुत ज्यादा कंफर्टेबल है। मजा तो तभी आता है जब आप किसी के साथ फेक ना हो जबरदस्ती आपको अच्छा बनकर तमीजदार बनकर बातचीत की कोशिश ना करनी पड़ेगी। दोस्तों की तरह मिलो और काम करो और यह जो दोस्ती होती है, हमारी ऑनस्क्रीन भी मदद करती है हमारा काम। कई गुना निखर जाता है। वैसे भी मुझे ऐसा लगता है कि हम जहां काम करते हैं वहां आपको टैलेंटेड लोग तो भरपूर मिल जाएंगे, लेकिन टैलेंटेड होने के बावजूद भी एक अच्छे इंसान के गुण भी उस में मौजूद हो। ऐसे लोग बहुत कम ही मिलेंगे और यह मैं हमारे कलाकारों के लिए नहीं बल्कि पूरी टीम के लिए भी कहना चाहूंगी। मुझे मालूम है कि जिंदगी में कुछ भी हो जाए तब भी यह मेरे से उतने ही अच्छे से पेश आने वाले हैं और यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आप जेन–जी से हैं सिचुएशनशिप बेचिंग ये सब शब्द आप जानते होंगे। आप कितना विश्वास करती है प्यार पर? हर पीढ़ी का अपना प्यार करने का तरीका अलग होता है। इसके फायदे भी होते हैं। कुछ नुकसान भी होते हैं। जहां तक मेरी बात करेंगे तो मैं ओल्ड स्कूल ऑफ रोमांस में विश्वास करती हूं। शादी में विश्वास है। मुझे कमिटमेंट – वादों में विश्वास है। मुझे दोस्ती में विश्वास है। मुझे दोस्ती जो प्यार में बदल जाती है, उस पर भी विश्वास है। जहां तक बात है ऐसे कुछ शब्दों की तो उसके बारे में मैं कुछ कह नहीं सकती क्योंकि कुछ भी कह कर मैं सामने वाले को अपमानित महसूस नहीं करवाना चाहती हूं। लेकिन यह सब आएंगे और जाएंगे। आखिर में आप वही करते हैं जो आपका दिल कहता है। इस दुनिया में कोई भी ऐसा शख्स नहीं है जिसे प्यार करना पसंद ना हो। आप कहीं भी कितना भी काम करके आ जाए, कुछ भी करके आ जाए। अंत में आपको घर लौटना होता है। अब यह घर आप अपने आप में ढूंढते हैं या किसी शख्स में ढूंढते हैं। यह हरेक की अपनी खुद की मर्जी होनी चाहिए।

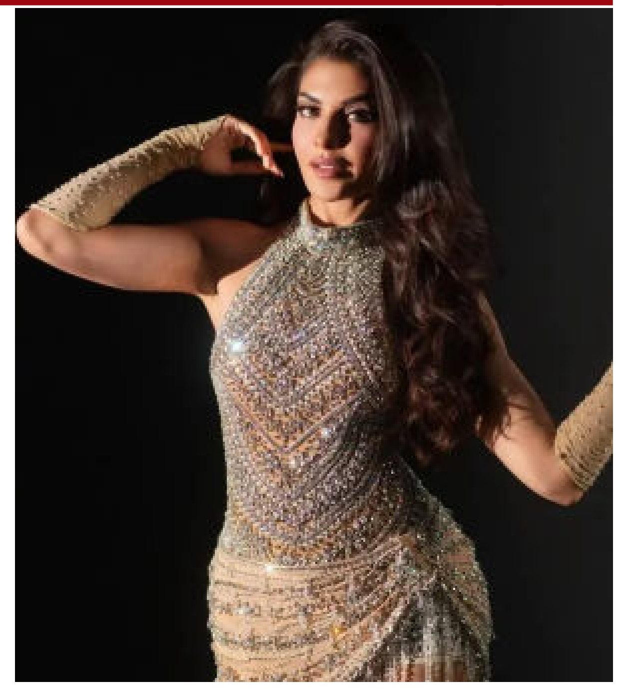

जैकलीन फर्नांडीज के 7 डांस परफॉर्मेंस, जिन्होंने उन्हें बनाया बॉलीवुड की चार्टबस्टर क्वीन

नई दिल्ली। जैकलीन फर्नांडीज ने इंडियन सिनेमा की सबसे मशहूर परफॉर्मर्स में से एक के तौर पर अपनी एक खास जगह बनाई है। अपनी चमकदार मुस्कान, जबरदस्त पॉजिटिविटी, धूप जैसी एनर्जी और मैग्नेटिक ग्लोबल अपील के साथ, यह एक्ट्रेस जहां भी जाती हैं, दिल जीत लेती हैं। चाहे बड़े पर्दे पर हों, इवेंट्स में हों, या प्लेलिस्ट में छाए रहने वाले म्यूजिक वीडियो के जरिए, जैकलीन ने लगातार यादगार परफॉर्मेंस दी हैं। इतने सालों में, वह ब्लॉकबस्टर डांस नंबर्स की पहचान बन गई हैं जो फैंस की पसंदीदा बनी हुई हैं, यह साबित करती हैं कि जब स्टाइल, ग्रेस और आसान मूव्स की बात आती है, तो कुछ ही लोग उनका मुकाबला कर सकते हैं।जैकलीन के सबसे आइकॉनिक गानों में से एक, चिट्टियां कलाइयां रिलीज होते ही तुरंत सेंसेशन बन गया। उनके वाइब्रेंट एक्सप्रेशन, आसान डांस मूव्स और जबरदस्त एनर्जी ने इस ट्रैक को शादी और पार्टी का खास गाना बना दिया, जो सालों बाद भी पसंद किया जाता है।लत लग गई में, जैकलीन ने ग्लैमर, एलिगेंस और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस का एक परफेक्ट मिक्स दिखाया। उनकी केमिस्ट्री, आसान कोरियोग्राफी और शानदार एक्सप्रेशन ने इस गाने को फिल्म के सबसे खास हाइलाइट्स में से एक और दर्शकों का पसंदीदा बना दिया।जैकलीन ने एक बार फिर पानी पानी से इंटरनेट पर धूम मचा दी। यह चार्टबस्टर गाना देश भर में मशहूर हो गया, जिसमें उनके शानदार विजुअल्स, कॉन्फिडेंट परफॉर्मेंस और सिग्नेचर डांस स्टाइल ने इसे सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले और रीक्रिएटेड गानों में से एक बना दिया। आर्टिस्ट टेक के साथ इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और एक जबरदस्त कोरियोग्राफी को एक साथ लाते हुए, यिमी यिमी ने जैकलीन की लगातार बढ़ती ग्लोबल अपील को हाईलाइट किया। उनकी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और आसान परफॉर्मेंस ने इस ट्रैक को बॉर्डर पार के दर्शकों के बीच तुरंत हिट बनाने में मदद की। गेंदा फूल के साथ, जैकलीन ने अपने सबसे यादगार म्यूजिक वीडियो परफॉर्मेंस में से एक दिया। ट्रेडिशनल एस्थेटिक्स को कंटेम्पररी स्टाइल के साथ मिलाकर, उन्होंने हर फ्रेम को ग्रेस, कॉन्फिडेंस और बेजोड़ करिश्मा से रोशन कर दिया, जिससे यह गाना चार्ट–टॉपिंग फेवरेट बन गया। लाल परी के साथ, जैकलीन फर्नांडीज ने अपने जबरदस्त डांस मूव्स और दिलकश एक्सप्रेशन से हर फ्रेम में अपनी जगह बनाई। इस हाई–एनर्जी ट्रैक ने पावर–पैक्ड कोरियोग्राफी के साथ एलिगेंस को आसानी से मिलाने की उनकी काबिलियत को पूरी तरह से दिखाया, जिससे यह फैंस के बीच तुरंत पसंदीदा बन गया। बेजोस के साथ, जैकलीन फर्नांडीज ने फ्रेंच आर्टिस्ट कार्ल वाइन के साथ मिलकर काम किया, जो एक वाइब्रेंट क्रॉस–कल्चरल कोलेबोरेशन है जिसमें इंटरनेशनल बीट्स को उनके सिग्नेचर स्टाइल के साथ मिलाया गया है। कॉन्फिडेंस, ग्लैमर और आसान करिश्मा दिखाते हुए, जैकलीन ने अपने दिलकश एक्सप्रेशन और हाई–एनर्जी डांस मूव्स से हर फ्रेम में जान डाल दी। कार्ल वाइन के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री, गाने की जबरदस्त रिदम और कंटेंपररी विजुअल्स ने बेजोस को एक ग्लोबल म्यूजिकल कोलेबोरेशन के तौर पर अलग बनाया। टाइमलेस बॉलीवुड चार्टबस्टर्स से लेकर दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले म्यूजिक वीडियो तक, जैकलीन फर्नांडीज ने अपनी यादगार डांस परफॉर्मेंस से एक जबरदस्त लेगेसी बनाई है। जैसे ही उनका एक और जन्मदिन है, फैंस इन आइकॉनिक नंबर्स को बार–बार सुन रहे हैं और बेसब्री से उस एक्ट्रेस की और भी शानदार परफॉर्मेंस का इंतजार कर रहे हैं जो सच में चार्टबस्टर्स की क्वीन हैं।

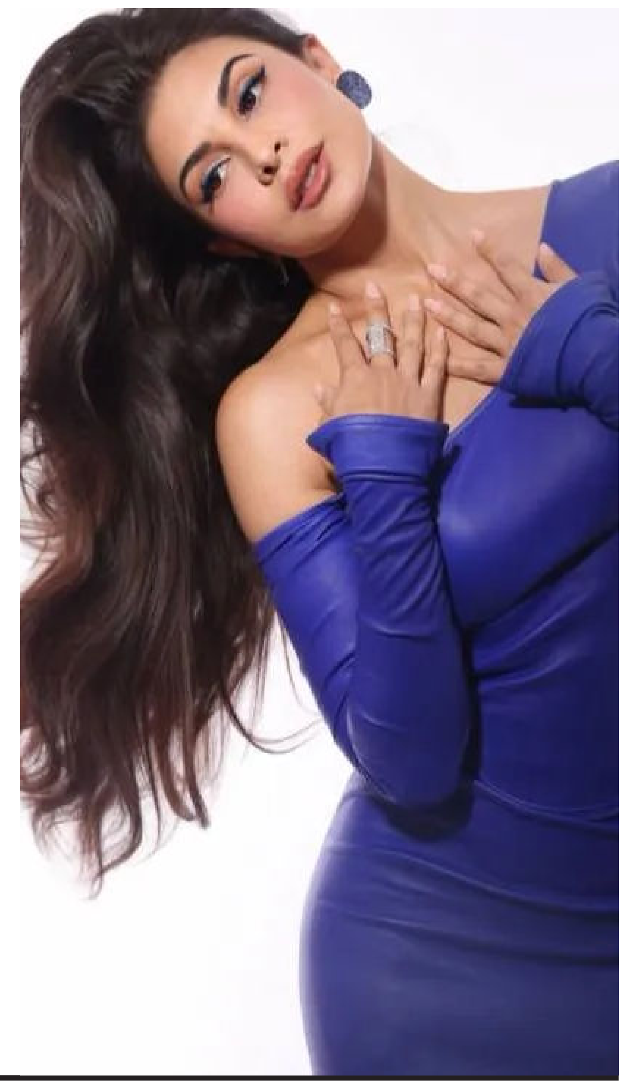

अमाल मलिक ने म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर लगाए गए अपने आरोपों को दोहराते हुए नया बयान जारी किया। साथ ही उन्होंने तनिष्क को चेतावनी भी दी। मैं ये ट्वीट सिर्फ इसलिए डिलीट कर रहा हूं ताकि अपनी टाइमलाइन का कचरा साफ कर सकूं। यह फैसला मैंने पूरी समझ के साथ लिया है। जो कहना था, मैं कह चुका हूं और इस इंसान को उसकी औकात भी दिखा चुका हूं। इससे पहले कि कोई पोर्टल क्लिकबेट हेडलाइन चलाए कि श्अमाल मलिक ने अपने ट्वीट डिलीट कर दिएश, मैं साफ करना चाहता हूं कि पिछले कुछ दिनों में मैंने जो भी कहा, उस हर बात पर आज भी कायम हूं। मैं अपने किसी बयान से पीछे नहीं हट रहा हूं। मैं सिर्फ इन पोस्ट्स को यहां से हटा रहा हूं। करीब 10 साल तक मैंने अपने गुस्से को दबाकर रखा, लेकिन आज एक दशक बाद मुझे खुलकर सामने आना पड़ा, क्योंकि यहां कोई भी सही बात के लिए खड़ा नहीं होता और न ही इंडस्ट्री के गलत लोगों को बेनकाब करता है। यहां किसी में सच को सच कहने की हिम्मत नहीं है, लेकिन किसी न किसी को यह करना ही था। मैं उसके गलत कामों और अनैतिक हरकतों पर बहुत समय से चुप था। आज मैंने एक बहुत बुरे इंसान की सच्चाई सबके सामने रख दी है। कर्म हर किसी का हिसाब रखता है। उन लोगों का भी, जो इतने सालों से उसकी गलत और अमानवीय हरकतों का साथ दे रहे हैं।

कृति सेनन बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में शुमार हैं. उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है. आज वो करोड़ों की कमाई करती हैं. 27 जुलाई को एक्ट्रेस 36 साल की पूरी होने वाली हैं. ऐसे मेंआइए जानते हैंउनकी नेटवर्थ और लग्जरी लाइफस्टाइल के बारे में. कृति सेनन की नेटवर्थ फिल्म श्हीरोपंतीश से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं. छठछ ज्ट18 की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन की कुल नेटवर्थ करीब 82 करोड़ रुपये है. फिल्मों के अलावा वो ब्रांड एंडोर्समेंट और अपने बिजनेस से भी अच्छी–खासी कमाई करती हैं. एक फिल्म के लिए वसूलती हैं करोड़ों रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस एक फिल्म के लिए 4 से 10 करोड़ के बीच में चार्ज करती हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने कॉकटेल 2 के लिए 15 करोड़ रुपये चार्ज किए थे. वो अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी तगड़ी कमाई करती हैं. कृति सेनन के पास हैं लग्जरी प्रॉपर्टीज कृति सेनन के पास कई शानदार प्रॉपर्टीज हैं. एक्ट्रेस के पास मुंबई के बांद्रा वेस्ट के पॉश पाली हिल इलाके में स्थित श्सुप्रीम प्राणाश टॉवर में करीब 84.16 करोड़ रुपये का आलीशान सी–फेसिंग डुप्लेक्स पेंटहाउस है. इसके अलावा, उनके पास अलीबाग में 2,000 स्क्वायर फुट का एक प्लॉट भी है. वहीं, मुंबई के अंधेरी में उनका एक अपार्टमेंट और दिल्ली में परिवार का घर भी है. कृति सेनन का कार कलेक्शन कृति सेनन को लग्जरी कारों का भी काफी शौक है. उनके कार कलेक्शन में करीब 2.43 करोड़ रुपये की मर्सिडीज–मायबाक ळरै-600, 1.22 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत वाली टोयोटा वेलफायर शामिल है. इसके अलावा उनके पास ऑडी फ7 और बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज जैसी लग्जरी गाड़ियां भी हैं. कृति सेनन का वर्कफ्रंट वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन हाल ही में फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आई थीं. इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी थे. फिल्म 19 जून को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी.

संक्षिप्त समाचार

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे?

कोलंबो,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग–अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे। अपने कमेंट्री डेब्यू को लेकर रहाणे ने कहा कि इससे उन्हें टेस्ट क्रिकेट को बिल्कुल अलग नजरिए से देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने को लेकर उत्साहित हूं। टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का शिखर है और इतने वर्षों तक इस फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब खेल को एक अलग नजरिए से देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। रहाणे ने कहा कि वह अपने अनुभव साझा करने के साथ–साथ खेल की बारीकियों को समझाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को उन फैसलों, रणनीतियों और महत्वपूर्ण पलों के बारे में जानकारी देना चाहते हैं, जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, मेंडिस–निसांका बाहर, डिकवेला की वापसी

कोलंबो,एजेंसी। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर–बल्लेबाज निरोशन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका की कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं। इन दोनों की गैरमौजूदगी में श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम में जगह बनाई है। इसी वजह से डिकवेला को 33 साल की उम्र में दोबारा टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने श्रीलंका के पिछले टेस्ट में भी ओपनिंग की थी। मदुशंका ने भारत के खिलाफ वार्म अप मैच में ओपनिंग की थी और शानदार अर्ध शतक लगाया था। मध्यक्रम में दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस और कप्तानधनंजय डिसिल्वा की भूमिकाएं लगभग तय मानी जा रही हैं। इनके क्रमशः नंबर–तीन, चार और पांच पर उतरने की संभावना है। श्रीलंका ने घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। ऑलराउंडर मिलान रत्नायके के रूप में टीम के पास पांचवां सीम गेंदबाजी विकल्प भी मौजूद है। असिथा फर्नांडो के खेलने की संभावना सबसे ज्यादा है। उनके अलावा लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका में से भी टीम संयोजन के अनुसार गेंदबाज चुने जा सकते हैं।

एजीएम से ठीक पहले इस्तीफा देने वाले चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की नेटवर्थ कितनी?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय कॉरपोरेट जगत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित घराने टाटा संस से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे तुरंत पद नहीं छोड़ रहे हैं और फरवरी 2027 तक अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक इस जिम्मेदारी को संभाले रहेंगे। लेकिन उन्होंने यह साफ कर दिया है कि वे इसके बाद दोबारा इस शीर्ष पद पर नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे। 18 अगस्त 2026 को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) से ठीक पहले आए इस फैसले ने पूरे देश के बिजनेस सेक्टर में हलचल मचा दी है। टाटा ट्रस्ट्स के साथ मतभेदऔर यह भी चर्चा है कि टाटा संस की लगभग 66प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स के साथ चंद्रशेखरन के कुछ मतभेद चल रहे थे।

टेस्ट बल्लेबाजों में बाबर की टॉप–10 में वापसी, विंडीज को हराकर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को हुआ फायदा

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने ताजा आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर टॉप–10 में जगह बना ली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन टेस्ट में पाकिस्तान की आठ विकेट से जीत के बाद बाबर को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला। बाबर ने मुकाबले की पहली पारी में 88 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में वह 24 रन बनाकर नाबाद रहे। इस प्रदर्शन के बाद वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाबर सितंबर 2024 के बाद पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की टॉप–10 रैंकिंग में लौटे हैं। वह इससे पहले लगातार पांच साल तक इस एलीट ग्रुप में बने रहे थे। दिसंबर 2022 में वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग पर पहुंचे थे। पाकिस्तान के बल्लेबाजों में सबसे बड़ी छलांग अब्दुल्ला शफीक ने लगाई है। टीम में वापसी करने वाले नंबर–3 बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। शफीक ने पहली पारी में नाबाद 160 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 24 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस शानदार प्रदर्शन का सीधा असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा। शफीक 25 पायदान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान की जीत का फायदा गेंदबाजों को भी मिला। ऑफ स्पिनर साजिद खान पांच स्थान ऊपर चढ़कर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, मोहम्मद अली ने आठ स्थान की छलांग लगाकर 85वीं रैंकिंग हासिल की। बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान ने रैंकिंग अपडेट में सबसे बड़ी छलांग लगाने वाले खिलाड़ियों में जगह बनाई। वह 58 स्थान ऊपर चढ़कर 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ भी एक स्थान ऊपर बढ़कर 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने टेस्ट में तीन विकेट हासिल किए थे। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का शीर्ष स्थान बरकरार है। वहीं, भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अब भी नंबर–1 पर हैं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भारतीय स्टार रवींद्र जडेजा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच सीरीज के बाद ताजा वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज तीन पायदान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 32 और 71 रन की पारियां खेलीं। वहीं, हशमतुल्लाह शाहिदी चार स्थान ऊपर चढ़कर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने भी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत की है। आयरलैंड के खिलाफ लगातार प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन में से एक में उन्होंने छह विकेट भी लिए थे। आयरलैंड के मार्क अडायर ने भी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार करते हुए 17वां स्थान हासिल किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत से पाकिस्तान के खिलाड़ियों की रैंकिंग जरूर सुधरी है, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (ज) की तालिका में पाकिस्तान और वेस्टइंडीज अभी भी निचले स्थानों पर हैं। डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका 75.00 प्रतिशत के साथ दूसरे और न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज इस समय तालिका के निचले हिस्से में बने हुए हैं।

अंबानी परिवार भारत में सबसे धनी, अदाणी पहली पीढ़ी के कारोबारियों में शीर्ष पर

नई दिल्ली/मुंबई,एजेंसी। हुरुन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी का परिवार 2026 में भी भारत का सबसे धनी कारोबारी परिवार बना हुआ है। उनकी संपत्ति में 8.5 फीसदी की गिरावट के बावजूद यह 25.8 लाख करोड़ रुपये दर्ज की गई है। वहीं, अहमदाबाद के गौतम अदाणी का परिवार पहली पीढ़ी के कारोबारियों में सबसे अमीर बनकर उभरा है। उनकी कुल संपत्ति 19.6 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। यह जानकारी ₹2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेसेज लिस्ट' में सामने आई है। इस सूची में दूरसंचार कंपनी एयरटेल के प्रवर्तक सुनील भारती मित्तल तीसरे स्थान पर हैं। उनकी संपत्ति 12.1 लाख करोड़ रुपये है, जिससे वह पहली पीढ़ी के परिवारों में दूसरे सबसे अमीर हैं। कुमार मंगलम बिड़ला 8.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं। हुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने बताया कि भारत के सबसे मूल्यवान पारिवारिक कारोबारों का कुल

मूल्य अब 1.46 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह भारतीय मुद्रा में 138 लाख करोड़ रुपये के बराबर है। उन्होंने कहा कि यदि यह सूची एक देश होती, तो यह सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होती। यह नीदरलैंड, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड जैसे देशों से भी बड़ी होती। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष 300 पारिवारिक कारोबारों ने पिछले दो वर्षों में प्रतिदिन 4,076 करोड़ रुपये का मूल्य जोड़ा है। मुकेश अंबानी का परिवार लगातार भारत के सबसे धनी कारोबारी परिवार के रूप में अपनी जगह बनाए हुए है। उनकी कुल संपत्ति 25.8 लाख करोड़ रुपये है, भले ही इसमें 8.5 फीसदी की गिरावट आई है। गौतम अदाणी का परिवार पहली पीढ़ी के कारोबारियों में सबसे अमीर है। उनकी संपत्ति 19.6 लाख करोड़ रुपये दर्ज की गई है। सुनील भारती मित्तल का परिवार 12.1 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर है। वह पहली पीढ़ी के परिवारों में दूसरे सबसे अमीर हैं। कुमार मंगलम बिड़ला 8.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर हैं।

शाही एक्सपोर्ट्स के आहूजा परिवार ने तीन साल में सबसे अधिक मूल्य वृद्धि दर्ज की है। उनकी संपत्ति 352 फीसदी बढ़कर 37,500 करोड़ रुपये हो गई है। गरवारे हाई–टेक फिल्म्स के शशिकांत भालचंद्र गरवारे परिवार ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इस परिवार ने तीन वर्षों में 61 स्थानों की सबसे तेज रैंक वृद्धि हासिल की है। उनकी संपत्ति में 300 फीसदी का बड़ा उछाल आया है, जो 15,600 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह वृद्धि इन परिवारों के मजबूत कारोबारी प्रदर्शन को दर्शाती है।

10 हजार रुपये तक के चेक एआई की मदद से हो रहे क्लियर, एमएसएमई कर्ज को भी नई तकनीक के जरिए मंजूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बैंक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके लगभग एक लाख करोड़ रुपये के एमएसएमई कर्ज को मंजूरी दी है। ये कर्ज प्रत्येक पांच करोड़ रुपये तक के थे। यह जानकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दी। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक में 10,000 रुपये तक के चेक भी एआई की मदद से स्वचालित रूप से क्लियर हो रहे हैं। एसबीआई के प्रबंध निदेशक रामा मोहन राव अमारा ने वार्षिक एफआईबीएसी कार्यक्रम में बताया कि बैंक ने पिछले 12 महीनों में यह लक्ष्य हासिल किया गया। इसमें नए और मौजूदा दोनों तरह के ग्राहक शामिल थे। बैंक 10,000 रुपये तक के चेक की प्रोसेसिंग को भी स्वचालित कर रहा है। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल हैं, का उपयोग किया जा रहा है। एआई के उपयोग से रिलेशनशिप मैनेजरों का समय बचा है। पहले वे डेटा इकट्ठा करने और प्रारंभिक विश्लेषण में काफी समय लगाते थे। 10,000 रुपये तक के चेक बैंक के कुल चेक मात्रा का करीब 25 फीसदी होते हैं। एआई मॉडल चेक को पढ़ सकता है और अनिवार्य क्षेत्रों व अनुपालन आवश्यकताओं को सत्यापित कर सकता है। बैंक ने अब ऐसे चेकों की प्रोसेसिंग को एसटीपी (स्ट्रेट–थ्रू प्रोसेसिंग) प्रणाली के माध्यम से स्वचालित कर दिया है। इसमें व्यावहारिक रूप से कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता है। हालांकि, एसबीआई ने एक नियंत्रण तंत्र बनाए रखा है। इसके तहत एक समर्पित नियंत्रण जोखिम इकाई एआई प्रणाली द्वारा संसाधित चेकों के नमूने की समीक्षा करती है। यह त्रुटियों की पहचान करने में मदद करता है। साथ ही, यह निर्धारित करता है कि मॉडल को आगे प्रशिक्षण की आवश्यकता है या नहीं। एआई को ग्राहक जीवनचक्र के विभिन्न चरणों में तैनात किया जा रहा है। इसमें ऋण हामीदारी, पोर्टफोलियो प्रबंधन और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन शामिल हैं। ग्राहक सेवा में भी एआई का उपयोग किया जा रहा है। एसबीआई एआई–आधारित प्रारंभिक चेतावनी संकेतों का भी उपयोग कर रहा है। यह चूक होने से पहले कमजोर जोखिमों की पहचान करने में मदद करता है। इसके लिए क्षेत्र–विशिष्ट, बाजार और अन्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण किया जाता है। अधिकारी ने बताया कि लागत–से–आय अनुपात में कमी के संदर्भ में प्रभाव को मापना अभी समय लेगा। हालांकि, बैंक को पहले से ही कई लाभ दिख रहे हैं। इनमें ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि हुई है। साथ ही, कर्मचारियों के समय की बचत भी हुई है। एआई के माध्यम से कार्यक्षमता और दक्षता में सुधार हो रहा है।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 188 अंक टूटकर बंद हुआ, निफ्टी 24450 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को कारोबार का समापन लाल निशान पर हुआ। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 187.90 (–0.24प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 77,966.35 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, व्यापक सूचकांक एनएसई निफ्टी 35.75 (–0.15प्रतिशत) अंक टूटकर 24,435.95 के स्तर पर पहुंच गया। अदाणी ग्रीन और एमएंडएम के शेयर में दो–दो फीसदी तक की गिरावट दर्ज के साथ बंद हुए। डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे बढ़कर 95.34 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सार्थक रंजन: दिल्ली लीग में पप्पू यादव के बेटे का बल्ला मचा रहा तबाही

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन लगातार अपने बल्ले से प्रभावित कर रहे हैं। सांसद पप्पू यादव के बेटे 29 वर्षीय सार्थक ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने उनका नाम चर्चा में ला दिया है। 11 अगस्त को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भी सार्थक ने वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उनकी 30 गेंदों में 57 रन की पारी और कप्तानी की बदौलत नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हरा दिया। सार्थक की पिछली चार पारियों पर नजर डालें तो उनके बल्ले से 64, 95, 65 और 57 रन निकले हैं। इन चार पारियों में उन्होंने कुल 256 रन बनाए हैं। इस सीजन सार्थक का बल्ला लगातार रन बना रहा है। पिछले चार मैचों में तीन बार उन्होंने 60 से ज्यादा रन बनाए, जबकि एक पारी में 95 रन ठोके। वेस्ट दिल्ली के खिलाफ भी उन्होंने तेज शुरुआत करते हुए महज 30 गेंदों पर 57 रन बना दिए। उनकी पारी के दम पर नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 147 रनों

के लक्ष्य का पीछा बेहद आसानी से कर लिया। सार्थक और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की साझेदारी की, जिसने मैच को पूरी तरह नॉर्थ दिल्ली के पक्ष में कर दिया। सार्थक के आउट होने के बाद वैभव ने मोर्चा संभाला और 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले वेस्ट दिल्ली लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 146/7 का स्कोर बनाया। टीम ने शुरुआती विकेट के लिए 36 रन जोड़े, लेकिन अंकित कुमार के 10 रन पर आउट होने के बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। एक समय वेस्ट दिल्ली का स्कोर 59 रन पर पांच विकेट हो गया था। इसके बाद मयंक गुसैन और सोमबीर शेओकंद ने पारी को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। शेओकंद ने 24 गेंदों में 34 रन बनाए, जबकि मयंक गुसैन 28 गेंदों में 42 रन बनाकर नाबाद रहे। नॉर्थ दिल्ली की ओर से मयंक डागर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट लिए।

मैच के बाद मयंक डागर ने टीम की जीत के साथ–साथ कप्तान सार्थक रंजन के प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, श्टचवुड, जिस तरह से हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है। हमने अंडर–16 और अंडर–19 स्तर से साथ में काफी क्रिकेट खेली है। मैंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ते देखा है। वह इस मौके के पूरी तरह हकदार हैं। डागर ने टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा कि टीम का संयोजन अच्छा है और हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता है। उन्होंने कहा, श्यह हमारे लिए बहुत प्रभावशाली जीत थी। हमने गेंद से उन्हें रोका और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया। हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। हर कोई अपनी भूमिका जानता है और टीम में यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

संरक्षक
सिद्धेश्वर तिवारी
विधि सलाहकार सम्पादक
राहुल पाण्डेय
विधि सलाहकार
प्रशांत पाण्डेय
उत्तर प्रदेश, प्रभारी
प्रतीक यादव

तालमेल एक्सप्रेस
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक अनुराग तिवारी द्वारा सुनैना प्रिन्टर्स, 128/2 न्यू बैरहना, प्रयागराज से मुद्रित कराकर 128/2 न्यू बैरहना, प्रयागराज 211003 से प्रकाशित।

संपादक
अनुराग तिवारी
मोबाइल : 7376908090
RNI NO.
UPHIN/2017/74507
Email :
talmelexpress@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अर्न्तगत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद प्रयागराज न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर

तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। सरकारी वकील ने क्या बताया? न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। कितने साल की सजा हो सकती है? सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग करने की साजिश रचने पर अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। गुप्ता को 30 जून, 2023 को चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार किया गया था और एक साल बाद उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया।

तिब्बत को लेकर अमेरिका का बड़ा फैसला: सीनेट में पेश किया नया विधेयक, क्या चीन को घेरने की है तैयारी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने तिब्बत के भविष्य को सुनिश्चित करने वाला अधिनियम (एएफटीए) पेश किया है। इसका उद्देश्य तिब्बती लोगों और उनके लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेतृत्व के साथ वाशिंगटन की भागीदारी को मजबूत करना है। इसके साथ ही उनके आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करना है। सीनेटर जेफ मर्कले (डी–ओआर) और जिम रिस्क (आर–आईडी) की ओर से पेश किए गए इस विधेयक को सीनेटर टिम केन (डी–वीए), टॉड यंग (आर–आईएन), जैकी रोसेन (डी–एनवी) और रिक स्कॉट (आर–एफएल) ने सह–प्रायोजित किया है। सीनेट का विधेयक तिब्बत के भविष्य को सुनिश्चित करने वाले अधिनियम का पूरक विधेयक है। कार्यकारी निदेशक ने विधेयक पर क्या कहा? तिब्बत के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान के कार्यकारी निदेशक रयान फायरेसी ने विधेयक पेश किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कानून इस बात को मान्यता देता है कि तिब्बती लोगों को अपने भविष्य का निर्धारण करने में अपनी बात रखने का अधिकार होना चाहिए। इस विधेयक का मूलभूत सिद्धांत क्या है? उन्होंने आगे कहा, श्इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत इस विधेयक को जल्द पारित कराने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है। यह विधेयक एक मूलभूत सिद्धांत को मान्यता देता है कि तिब्बती लोगों को खुद अपने भविष्य का निर्णय करना चाहिए। अश्योरिंग द फ्यूचर ऑफ तिब्बत एक्टश के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति तिब्बती लोगों के साथ सीध ेऔर उनके लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेतृत्व के माध्यम से संपर्क बनाए रखना अनिवार्य होगा। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत तिब्बती लोगों के मौलिक और मानवाधिकारों के स्वतंत्र प्रयोग का समर्थन करता है, जिसमें आत्मनिर्णय का अधिकार भी शामिल है। तिब्बत और चीन विवाद पर क्या कहा? इस विधेयक में यह भी कहा गया है कि केंद्रीय तिब्बती प्रशासन दलाई लामा की ओर से स्थापित तिब्बती लोगों के शासन की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा, श्यह विधेयक इस बात की पुष्टि करता है कि तिब्बत और चीन के बीच विवाद का समाधान करना संयुक्त राज्य अमेरिका के रणनीतिक हित में है। इस विधेयक में क्या है? फायरेसी ने कहा, श्यह अमेरिकी सरकार को निर्देश देता है कि वह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के साथ–साथ अन्य संबंधित अंतरराष्ट्रीय निकायों में सीटीए को पर्यवेक्षक का दर्जा दिलाने के लिए पैरवी करे। साथ ही, यह अमेरिकी सरकार को सीटीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करने का निर्देश देता है। दशकों से, परम पावन दलाई लामा तिब्बतियों को आवाज देने और उनकी स्वतंत्रता और गरिमा की आकांक्षाओं को संरक्षित करने वाले लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप', संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ–साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं। क्या है श्डबल–टैपश हवाई हमला? आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते श्डबल–टैपश हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं। पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल? आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ–साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा–निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं। बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर? रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। यूएन की जांच में कितने सबूत जुटाए गए? आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं। इन सबूतों का इस्तेमाल भविष्य में उन लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने में किया जा सकता है, जो इन अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान, क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, श्ईरान पर भरोसा करने

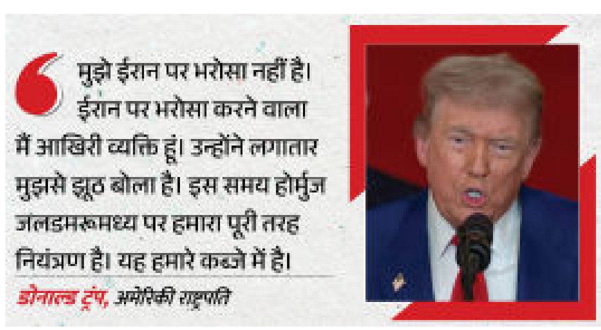

वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है। होर्मुज को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया?

ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे श्उड़ा दियाश जा सकता है। उन्होंने कहा, श्अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं। ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी–32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था। अचानक बदला प्लान रू ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी–32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत, 27 लोग अब भी लापता

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया। जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं।

US में भारतीयों का सम्मान: दो और राज्यों ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस, महावाणिज्य दूतावास ने क्या कहा?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क राज्यों ने 15 अगस्त 2026 को श्भारत स्वतंत्रता दिवसश घोषित किया है। दुनियाभर में उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह होने शुरू हो गए हैं। इसी बीच इन दोनों राज्यों ने यह घोषणा की है। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों को भी सम्मान दिया गया है। न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर कई पोस्ट कर इन घोषणाओं की जानकारी साझा की। दूतावास ने न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल को धन्यवाद दिया। उन्होंने 15 अगस्त 2026 को न्यू जर्सी में श्भारत स्वतंत्रता दिवसश घोषित किया है। इस घोषणा में न्यू जर्सी में रह रहे भारतीय मूल के अमेरिकियों के अहम योगदान को भी मान्यता दी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शोध, तकनीक, कारोबार, सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में इस समुदाय के योगदान का जिक्र किया गया है। घोषणा में क्या कहा गया? घोषणा में भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चली आ रहे दोस्ताना संबंधों और बढ़ती साझेदारी को भी रेखांकित किया गया है। इसमें शिक्षा, कारोबार, तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में दोनों देशों के बढ़ते संबंधों का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया कि भारत का स्वतंत्रता दिवस उन अनगिनत लोगों के साहस, दूरदृष्टि और बलिदान को सम्मान देता है, जिनके शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन ने दुनियाभर की पीढ़ियों को प्रेरित किया। इस आंदोलन ने न्याय, समानता और मानव गरिमा के सार्वभौमिक सिद्धांतों को भी मजबूत किया।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने क्या कहा? महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि न्यूयॉर्क भी भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा है। इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत संबंधों को विशेष रूप से सम्मान दिया जा रहा है। दूतावास ने न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल का भी आभार जताया। उन्होंने 15 अगस्त 2026 को पूरे न्यूयॉर्क राज्य में श्भारत स्वतंत्रता दिवसश घोषित किया है। दूतावास ने कहा कि यह घोषणा भारत की आजादी की यात्रा और भारत–अमेरिका के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाती है। इसमें न्यूयॉर्क में भारतीय–अमेरिकी समुदाय के अहम योगदान को भी मान्यता दी गई है। समुदाय ने राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और नागरिक जीवन में अहम योगदान दिया है। घोषणा में बताया गया कि भारत की आजादी की राह अहिंसक विरोध, सच्चाई, आत्म–अनुशासन और नैतिक साहस जैसे मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से बनी थी। इसमें यह भी कहा गया कि अमेरिका में हर साल भारत के स्वतंत्रता दिवस का आयोजन अब अलग–अलग संस्कृतियों के बीच सद्भाव की एक शानदार मिसाल बन चुका है। रंग–बिरंगे समारोहों में कई पीढ़ियों के लोग एक साथ शामिल होते हैं। वे भारत और अमेरिका की समृद्ध देशभक्ति की परंपराओं का गर्व के साथ सम्मान करते हैं। ये आयोजन दोनों लोकतांत्रिक देशों को जोड़ने वाले गहरे संबंधों का प्रतीक हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 172 यात्रियों को बचाया गया, एक की मौत

एजेंसी/इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 172 लोगों को बचाया गया है। जिनमें 2 ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक भी शामिल थे। वहीं, एक की मौत हो गई

है। मृतक लड़की इंडोनेशिया की थी। बचाव दल ने क्या कहा? मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, श्हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।श उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल–पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। यह घटना कब हुई? प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4रू15 बजे लगी। उस समय श्पुत्री यास्मीनश जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। जहाज में कितने लोग मौजूद थे? हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं। इंडोनेशिया 17,000 से ज्यादा द्वीपों का एक समूह है, जहां यात्रा के लिए जहाज का इस्तेमाल आम है। यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। इसके लिए अक्सर सुरक्षा नियमों के कमजोर पालन को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना, लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा?

अदन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज

'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई? यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया। दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना? यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ–साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य समुद्री आवाजाही के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया? हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर भी हुआ था हमला? इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने दावा किया था कि समूह ने ड्रोन के जरिए रिफाइनरी को निशाना बनाया। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने बाद में रिफाइनरी में आग लगने की पुष्टि की और बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। क्या लाल सागर में बढ़ रही है समुद्री सुरक्षा की चुनौती? बाब अल–मंदेब में वाणिज्यिक जहाज पर दो बार हमला और बचावकर्मियों की मौत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बढ़ाती है। घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि संघर्ष का असर केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापारिक जहाज और राहत अभियान भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इसी बीच पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के बीच घोषित मक्का संयुक्त रक्षा समझौते की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक जजान में हमले के बाद इस नए गठबंधन की ओर से कोई स्पष्ट सैन्य प्रतिक्रिया या धमकी सामने नहीं आई।